■ RNI No. 58061/93 ■ वर्ष - 21 ■ अंक - 189 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » बुधवार » 04-02-2026 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 ममता को जेल में डाल देना चाहिए : गिरिराज

6 खेल या सियासत? विश्व क्रिकेट के सामने संकट

7 उपासना सिंह ने बताई इंडस्ट्री की कड़वी सच्चाई

फर्स्ट टेक

रुपया 122 पैसे की छलांग के साथ 90.27 प्रति डॉलर पर

मुंबई/भाषा। भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौते पर सहमति बनने के बाद भारतीय रुपया मंगलवार को सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाली एशियाई मुद्रा के रूप में उभरा, जिसने एक कारोबारी सत्र में 122 पैसे या 1.33 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की। अंत में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.27 (अस्थायी) पर बंद हुआ। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौते होने के बाद भारतीय रुपया ढाई सप्ताह के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया और इसमें लगभग 1.5 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई।

परीक्षण के दौरान हुआ ईंधन रिसाव, नासा अब मार्च में अपने चंद्र रॉकेट को प्रक्षेपित करेगा

केप केनरवल (अमेरिका)/एपी। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने मंगलवार को कहा कि एक दिन पहले किए गए निर्णायक परीक्षण के दौरान ईंधन के रिसाव की समस्या आने के कारण अब वह अपने नए चंद्र रॉकेट को मार्च में प्रक्षेपित करेगी। नासा ने एक बयान में कहा कि प्रक्षेपण में देरी होने से अब उड़ान परीक्षण से पहले डेटा की समीक्षा करने और दूसरा पूर्वाभ्यास करने का मौका मिलेगा। ये रिसाव सोमवार को कैनेडी अंतरिक्ष केंद्र में ईंधन भरने की लंबी प्रक्रिया शुरू होने के कुछ ही घंटों के भीतर हुए। नासा ने कहा कि इस उड़ान के लिए चुने गए चारों अंतरिक्ष यात्रियों को लगभग दो सप्ताह के पृथकवास से बाहर निकाल लिया जाएगा। नासा ने कहा कि चंद्रमा की परिक्रमा के लिए अगली उड़ान के समय से लगभग दो सप्ताह पहले उन्हें फिर से पृथकवास में रखा जाएगा।

रूस ने यूक्रेन पर तेज किए हमले

कीव/एपी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने मंगलवार को कहा कि रूस ने देर रात एक बड़े हमले में यूक्रेन पर लंबी दूरी के लगभग 450 ड्रोन और विभिन्न प्रकार की 70 मिसाइलें दागीं। यह हमला ऐसे समय हुआ, जब दोनों देश संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के अबू धाबी में अमेरिका की मध्यस्थता से होने वाली वार्ता में भाग लेने वाले हैं, जिसका उद्देश्य लगभग चार साल पहले शुरू हुए युद्ध को समाप्त करना है। जेलेंस्की ने कहा कि यूक्रेन के कम से कम पांच क्षेत्रों पर बमबारी का निशाना विशेष रूप से बिजली ग्रिड था। अधिकारियों ने बताया कि रूस के हमलों में कम से कम 10 लोग घायल हुए हैं। यूक्रेन के राष्ट्रपति ने कहा, ''रूस के लिए कूटनीति से कहीं अधिक महत्वपूर्ण लोगों को आतंकित करना है।''

सूर्यास्त 04-02-2026 6:21 बजे | सूर्योदय 05-02-2026 6:45 बजे

BSE	NSE
83,739.13	25,727.55
(+2,072.67)	(+639.15)

सोना	चांदी
15,850 रु.	288,241 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

सुनो दहशतगर्दों...

किसकी दुआई देकर ये,
कत्लेआम कर रहे हो।
सारी दुनिया का ही,
जीना हराम कर रहे हो।
वो कौनसा फलसफा है,
जिस पर काम कर रहे हो।
आखिर दीनों मजहब को,
क्यों बदनाम कर रहे हो।।

समर्पण और सेवा से ही सशक्त समाज का निर्माण : राष्ट्रपति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बालासोर/भुवनेश्वर/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने विद्यार्थियों से आह्वान किया है कि वे अपने ज्ञान, कौशल और सफलता का उपयोग विकास की दौड़ में पीछे छूट गए लोगों की मदद के लिए करें। उन्होंने कहा कि समाज का वास्तविक विकास तभी संभव है, जब प्रगति का लाभ सभी तक पहुंचे और कोई भी वर्ग हाशिये पर न रह जाए।

ओडिशा के बालासोर स्थित फकीर मोहन विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि किसी भी लक्ष्य को प्राप्त करने की कुंजी समर्पण और निरंतर प्रयास है। उन्होंने विद्यार्थियों को न केवल सफल करियर बनाने, बल्कि समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी समझने की भी प्रेरणा दी। उनके अनुसार, व्यक्तिगत उपलब्धियां तभी सार्थक होती हैं, जब वे समाज के व्यापक हित से जुड़ी हों।

राष्ट्रपति ने 'व्यासकवि' फकीर मोहन सेनापति को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि छात्र जीवन में उनकी कालजयी कहानी 'रेबती' ने उन पर गहरा प्रभाव डाला था, जिसका असर आज भी उनके विचारों में दिखाई देता है। उन्होंने कहा कि साहित्य और संस्कृति किसी भी समाज की आत्मा होते हैं और इन्हें समझे बिना समग्र विकास संभव नहीं है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 का उल्लेख करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि यह नीति मातृभाषा में शिक्षा और सांस्कृतिक जड़ों से जुड़े रहने पर विशेष बल देती है। उन्होंने विद्यार्थियों से अपनी भाषा, संस्कृति और परंपराओं पर गर्व करने का आग्रह किया। राष्ट्रपति ने कहा कि भारत की ज्ञान परंपरा अत्यंत समृद्ध रही है और हमारे शास्त्र तथा पांडुलिपियां आज भी मार्गदर्शन देने में सक्षम हैं।

विरोध प्रदर्शन

मंगलवार को बेंगलूरु के फ्रीडम पार्क में गिग और प्लेटफॉर्म सर्विस वर्कर्स यूनियन के सदस्यों द्वारा आयोजित विरोध प्रदर्शन।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौता देशहित में बड़ा कदम : नरेन्द्र मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि भारत-अमेरिका व्यापार समझौता एक बड़ा और दूरगामी फैसला है, जिससे देश के प्रत्येक नागरिक को लाभ मिलेगा। उन्होंने यह बात मंगलवार को राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की संसदीय दल बैठक को संबोधित करते हुए कही। बैठक में शामिल सांसदों ने बताया कि प्रधानमंत्री ने इस समझौते को भारत के आर्थिक हितों के अनुरूप बताया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार हर निर्णय राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए लेती है, चाहे वह व्यापार समझौता हो या बजट से जुड़ा कोई फैसला। राजग के घटक दलों के नेताओं ने यूरोपीय संघ और अमेरिका के साथ हुए व्यापार समझौतों के लिए प्रधानमंत्री को बधाई दी और कहा कि इससे

■ भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के तहत अमेरिका भारतीय उत्पादों पर शुल्क 50% से घटाकर 18% करेगा, जिससे निर्यात और विनिर्माण को बढ़ावा मिलेगा।

भारतीय विनिर्माताओं, निर्यातकों और उद्यमियों को मजबूती मिलेगी।

सांसदों के अनुसार, प्रधानमंत्री ने स्पष्ट किया कि भारत और अमेरिका के बीच हुए व्यापार समझौते के तहत वाशिंगटन भारतीय उत्पादों पर लगाया गया शुल्क कुल 50 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत करेगा। इससे भारतीय निर्यात को बढ़ावा मिलेगा और वैश्विक बाजार में भारत की प्रतिस्पर्धात्मक स्थिति मजबूत होगी।

संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने कहा कि इस समझौते को लेकर पूरे देश में उत्साह का माहौल है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में अब तक नौ बड़े व्यापार समझौते पूरे हुए हैं और कुल 39 देशों के साथ व्यापार समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए हैं। उनके अनुसार, ये सभी देश विकसित श्रेणी में आते हैं और यह उपलब्धि ऐतिहासिक है।

शिवसेना सांसद मिलिंद देवड़ा ने कहा कि प्रधानमंत्री ने बैठक में सभी सांसदों को समझाया कि सरकार हर मोर्चे पर भारत के पक्ष में काम कर रही है। उन्होंने कहा कि भारत-अमेरिका और भारत-यूरोप व्यापार समझौतों का श्रेय प्रधानमंत्री मोदी के दृढ़ संकल्प को जाता है और इससे छोटे कारोबारियों को विशेष लाभ मिलेगा।

शिवसेना नेता श्रीकांत शिंदे ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच हुई प्रभावी बातचीत के बाद यह बड़ी सफलता मिली है, जिसके परिणामस्वरूप भारत में बने उत्पादों पर शुल्क कम करने की घोषणा हुई।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौते का शेयर बाजार ने मनाया जश्न, सेंसेक्स 2,073 अंक चढ़ा

मुंबई/भाषा। भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौते पर सहमति बनने की घोषणा से उत्साहित घरेलू शेयर बाजारों में मंगलवार को जबर्दस्त उछाल दर्ज हुआ। मानक सूचकांक सेंसेक्स 2,073 अंक उछल गया, जबकि निफ्टी ने 639 अंक की छलांग लगाई। बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक सेंसेक्स कारोबारी सत्र की शुरुआत के बाद 4,205.27 अंक यानी 5.14 प्रतिशत उछलकर 85,871.73 अंक के उच्चतम स्तर तक पहुंच गया। हालांकि, बाद में मुनाफावसूली होने से यह 2,072.67 अंक यानी 2.54 प्रतिशत की बढ़त के साथ 83,739.13 अंक पर बंद हुआ।

एनएसई का 50 शेयरों वाला मानक सूचकांक निफ्टी भी 639.15 अंक यानी 2.55 प्रतिशत चढ़कर 25,727.55 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 1,252.80 अंक यानी 4.99 प्रतिशत की तेजी के साथ 26,341.20 अंक तक पहुंच गया था।

दबाव में हुआ भारत-अमेरिका व्यापार समझौता : राहुल गांधी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने मंगलवार को आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 'भयंकर दबाव' में हैं और इसी दबाव के चलते उन्होंने अमेरिका के साथ व्यापार समझौता किया है। राहुल गांधी ने दावा किया कि इस समझौते के जरिए किसानों और देश के हितों से समझौता किया गया है तथा प्रधानमंत्री अपनी राजनीतिक छवि को बचाने के डर से यह कदम उठाने को मजबूर हुए।

संसद परिसर में संवाददाताओं से बातचीत करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि भारत और अमेरिका के बीच हुआ व्यापार समझौता कोई नया या बदला हुआ समझौता नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह समझौता पिछले चार महीनों से रुका हुआ था और उसमें कोई ठोस बदलाव किए बिना अचानक उस पर हस्ताक्षर कर दिए गए। उनके अनुसार, इस जल्दबाजी के पीछे गंभीर दबाव और

■ राहुल गांधी का दावा है कि इस भारत-अमेरिका व्यापार समझौते से किसानों और राष्ट्रीय हितों को नुकसान हुआ और यह कदम राजनीतिक छवि बचाने के उद्देश्य से उठाया गया।

राजनीतिक भय काम कर रहा है।

गौरतलब है कि भारत और अमेरिका के बीच हुए इस व्यापार समझौते के तहत वाशिंगटन ने भारतीय उत्पादों पर लगाए जाने वाले शुल्क को कुल 50 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत करने पर सहमति जताई है। सरकार इसे भारतीय निर्यात और उद्योग के लिए बड़ी उपलब्धि बता रही है, जबकि विपक्ष इसे राष्ट्रीय हितों के खिलाफ कदम करार दे रहा है। राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री पर तीखा हमला करते हुए कहा कि ''मोदी जी घबराए हुए हैं। उनकी छवि का जो गुब्बारा हजारों करोड़ रुपये खर्च कर बनाया गया था, वह फूटने के डर से वे समझौते कर रहे हैं।'' उन्होंने यह भी कहा कि असल मुद्दे से ध्यान भटकाने के लिए अन्य विषयों को सामने लाया जा रहा है, जबकि मूल समस्या यह है कि प्रधानमंत्री 'कंप्रोमाइज्ड' हो चुके हैं।

चाइल्ड पोर्न और डीपफेक जांच के संबंध में 'एक्स' के फ्रांस स्थित कार्यालयों पर छापेमारी

पेरिस/एपी। पेरिस के अभियोजकों ने बाल यौन सामग्री (चाइल्ड पोर्नोग्राफी) और डीपफेक सहित कई कथित अपराधों की शुरुआती जांच के तहत एलन मस्क के सोशल मीडिया मंच 'एक्स' के फ्रांस स्थित कार्यालयों पर मंगलवार को छापेमारी की।

इस संबंध में जारी बयान में कहा गया कि पिछले साल जनवरी में अभियोजक कार्यालय की साइबर अपराध इकाई ने जांच शुरू की थी। यह इकाई बच्चों को बंधक बनाने और उनकी अश्लील तस्वीरें फैलाने, इससे संबंधित डीपफेक, मानवता के खिलाफ अपराधों और एक संगठित समूह के हिस्से के तौर पर 'ऑटोमेटेड डेटा प्रोसेसिंग सिस्टम' में हेरफेर तथा दूसरे अपराधों में कथित ''मिलीभगत'' की जांच कर रही है।

बयान के अनुसार, अभियोजकों ने एलन मस्क और 'एक्स' की 2023 से 2025 तक मुख्य कार्याधिकारी (सीईओ) रहीं लिंडा याकारिनो से स्वैच्छिक पूछताछ के लिए अनुरोध किया है, जिसके लिए 20 अप्रैल की तारीख निर्धारित है।

अंतरिक्ष कार्यक्रमों में भारत एक उभरती हुई शक्ति : शुभांशु शुक्ला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रायपुर/भाषा। अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला ने मंगलवार को कहा कि जटिल मिशनों को सफलतापूर्वक पूरा करने की क्षमता और महत्वाकांक्षी नीतियों के साथ भारत अंतरिक्ष कार्यक्रमों में एक उभरती हुई शक्ति के रूप में सामने आया है, जिसने दुनिया भर का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया है। उन्होंने यह भी कहा कि हाल ही में पेश किए गए केंद्रीय बजट में अंतरिक्ष विभाग के लिए आवंटन में दो प्रतिशत की वृद्धि भारत की अंतरिक्ष महत्वाकांक्षाओं के लिए मजबूत नेतृत्व समर्थन का संकेत है।

शुक्ला ने रायपुर के स्वामी विवेकानंद हवाई अड्डे पर पत्रकारों से बातचीत के दौरान अंतरिक्ष विज्ञान में भारत की तीव्र प्रगति और इस क्षेत्र में उभरते करियर के अवसरों के बारे में बच्चों को सूचित करने की आवश्यकता पर भी बल दिया। उन्होंने कहा कि जानकारी की कमी युवाओं को अपने भविष्य के रास्ते चुनने में सीमित कर देती है। शुक्ला ने कहा कि बच्चों के लिए यह समझना आवश्यक है कि देश किस दिशा में अग्रसर है और गगनयान जैसे मिशन और भविष्य के चंद्र कार्यक्रम सहित अंतरिक्ष अन्वेषण में क्या कर रहा है।

भारतीय वायु सेना के ग्रुप कैप्टन शुक्ला ने पिछले वर्ष जून-जुलाई में 18 दिवसीय मिशन पूरा किया था और वह अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर जाने वाले पहले भारतीय हैं।

वह मंगलवार को छत्तीसगढ़ की राजधानी में नवा रायपुर के अटल नगर स्थित राखी गांव के एक सरकारी स्कूल में विद्यालयों के लिए 'सिम्युलेटर सहित अंतरिक्ष प्रयोगशाला' का उद्घाटन करने आए थे।

शुक्ला ने अंतरिक्ष विज्ञान में वैश्विक स्तर पर भारत की छवि के बारे में पूछे जाने पर कहा कि वैश्विक मंच पर भारत को सम्मान की दृष्टि से देखा जाता है। उन्होंने कहा, दुनिया को भारत से उम्मीदें हैं। हमारे मिशनों पर करीबी नजर रखी जाती है, क्योंकि हमने जटिल कार्यों को सफलतापूर्वक पूरा किया है।

वैश्विक स्वास्थ्य केंद्र के रूप में स्थापित हुआ भारत : नड्डा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने मंगलवार को कहा कि भारत आज एक वैश्विक स्वास्थ्य केंद्र के रूप में स्थापित हो चुका है। उन्होंने मंगलवार को यहां वैश्विक निवेशकों एवं उद्यमियों के समागम 'उत्तर प्रदेश दवा सम्मेलन - एक' को वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिये संबोधित करते हुए यह बात कही।

उन्होंने कहा, ''भारत आज एक वैश्विक स्वास्थ्य केंद्र के रूप में स्थापित हो चुका है और देश दुनिया की लगभग 30 प्रतिशत जेनरिक दवाएं और लगभग 60 प्रतिशत तक वैश्विक वैक्सीन मांग की आपूर्ति करता है। हमारे दवा उत्पाद 200 से अधिक देशों में निर्यात होते हैं।''

नड्डा ने कहा, ''आज इस दवा सम्मेलन में उपस्थित होना मेरे लिए सम्मान की बात है। यह आयोजन ऐसे समय में हो रहा है जब भारत अपने विकास यात्रा के एक महत्वपूर्ण और निर्णायक चरण पर खड़ा है।'' उन्होंने कहा, ''पिछले एक दशक में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में भारत ने उपभोग आधारित अर्थव्यवस्था से आगे बढ़कर उत्पादन और नवाचार आधारित अर्थव्यवस्था की ओर मजबूत कदम बढ़ाया है।''

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि मजबूत डिजिटल आधारभूत ढांचा और व्यापक शासन के सुधारों के कारण भारत आज एक भरोसेमंद और जिम्मेदार वैश्विक साझेदारी के रूप में पहचान बना रहा है।

छत्तीसगढ़ हर जिले में अंतरिक्ष केंद्र स्थापित करेगा : विष्णु देव साय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रायपुर/भाषा। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने मंगलवार को सरकार के 'अंतरिक्ष संगवारी' कार्यक्रम के तहत राज्य के पहले अंतरिक्ष केंद्र का उद्घाटन किया और घोषणा की कि विद्यार्थियों में वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा देने के लिए हर जिले में ऐसा केंद्र स्थापित किया जाएगा।

अधिकारियों ने बताया कि आईडीवाईएम फाउंडेशन के सहयोग से नवा रायपुर अटल नगर के राखी गांव में सरकारी उच्च माध्यमिक विद्यालय में यह अंतरिक्ष केंद्र स्थापित किया गया है। उद्घाटन समारोह में उपस्थित अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला ने कहा कि छत्तीसगढ़ एक ऊर्जावान राज्य है और यहां के बच्चों में अपार जिज्ञासा एवं क्षमता है। उन्होंने कहा कि अंतरिक्ष केंद्र का उद्घाटन बच्चों को अंतरिक्ष विज्ञान से जोड़ने की दिशा में एक दूरदर्शी कदम है।

सभा को संबोधित करते हुए साय ने कहा कि अंतरिक्ष संगवारी पहल का विस्तार पूरे राज्य में किया जाएगा और विद्यार्थियों में वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा देने के लिए हर जिले में अंतरिक्ष केंद्र खोले जाएंगे। उन्होंने कहा, ''यह अंतरिक्ष केंद्र सिर्फ एक इमारत नहीं, बल्कि सपनों की एक प्रयोगशाला है, जहां बच्चे प्रयोगों और शोध के माध्यम से पाठ्यपुस्तकों से परे विज्ञान को समझेंगे।'' मुख्यमंत्री ने कहा कि अंतरिक्ष विज्ञान अब केवल जिज्ञासा का विषय नहीं रह गया है, बल्कि यह एक प्रमुख कैरियर और रोजगार का अवसर बनकर उभरा है। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में अंतरिक्ष केंद्र उपग्रह निर्माण, ट्रैकिंग, मौसम पूर्वानुमान और बादल मानचित्रण जैसे क्षेत्रों में व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करेगा।

पिछले साल के अपने अंतरिक्ष मिशन को याद करते हुए, भारतीय वायु सेना के ग्रुप कैप्टन शुक्ला ने कहा कि भारत ने 41 वर्षों के बाद एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है और यह यात्रा पूरे देश की है।

कांग्रेस भारत के पक्ष में है या खिलाफ

भारत-अमेरिका समझौते पर राहुल की टिप्पणी के बाद भाजपा ने पूछा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के इस आरोप पर कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने व्यापार सौदे को अंतिम रूप देने के लिए अमेरिका के दबाव में आकर समझौता किया, भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने मंगलवार को पूछा कि कांग्रेस और विपक्ष के दूसरे दल बताएं कि वे भारतीय हित के पक्ष में हैं या उसके खिलाफ।

संसद भवन परिसर में पत्रकारों के साथ बातचीत में पूर्व केंद्रीय मंत्री ने आरोप लगाया कि भारत पर अमेरिका द्वारा शुल्क (टैरिफ) लगाए जाने के बाद विपक्ष के कई लोग जश्न मना रहे थे। मंत्री ने कहा कि भारत द्वारा ब्रिटेन और यूरोपीय संघ के साथ मुक्त व्यापार समझौता किए जाने के बाद भी विपक्ष के लोगों ने सवाल उठाए थे।

ठाकुर ने कहा, ''यहां सवाल यह उठता है कि विपक्ष और कांग्रेस भारतीय हित के पक्ष में हैं या उसके खिलाफ।'' उन्होंने कहा, ''यह भारत-विरोधी मानसिकता राहुल गांधी, कांग्रेस और दूसरे विपक्षी नेताओं में साफ दिख रही है, क्योंकि वे संसद को काम भी नहीं करने दे रहे हैं।'' गांधी ने मंगलवार को आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने व्यापार सौदे को अंतिम रूप देने के लिए अमेरिका के दबाव में आकर भारतीय किसानों की कड़ी मेहनत को इस समझौते के जरिये ''नीलाम कर दिया'' है।

पूर्व सेना प्रमुख जनरल एम एम नरवणे के अप्रकाशित संस्मरण से जुड़ा मुद्दा लोकसभा में उठाने की अनुमति न मिलने के बाद गांधी ने संसद परिसर में संवाददाताओं से कहा कि नेता प्रतिपक्ष को राष्ट्रपति के अभिभाषण पर बोलने की अनुमति नहीं दी गई है।

गांधी ने कहा, ''हमें यह समझने की ज़रूरत है कि लगभग चार महीने से अटके पड़े व्यापार समझौते को कल शाम अचानक कैसे अंतिम रूप मिल गया।'' उन्होंने कहा, ''प्रधानमंत्री मोदी पर बड़ा दबाव था।''

न्यायालय ने गोपनीयता नीति को लेकर व्हाट्सऐप और मेटा को फटकार लगाई

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने गोपनीयता नीति को लेकर 213.14 करोड़ रुपए का जुर्माना लगाने के भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) के आदेश के खिलाफ याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए मेटा प्लेटफॉर्म्स इंक और व्हाट्सऐप को मंगलवार को कड़ी फटकार लगाई और कहा कि प्रौद्योगिकी क्षेत्र की दिग्गज कंपनियां ''डेटा साझा करने के नाम पर नागरिकों की निजता के अधिकार से खिलवाड़ नहीं कर सकतीं।'' प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जयमाल्या बागची एवं न्यायमूर्ति विपुल एम पंचोली की पीठ ने कहा कि वह नौ फरवरी को अंतरिम आदेश पारित करेगी। शीर्ष अदालत ने आदेश दिया कि इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय को याचिकाओं में पक्षकार बनाया जाए।

पीठ मेटा और व्हाट्सऐप की उन अपीलों पर सुनवाई कर रही थी, जो राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) के उस फैसले के खिलाफ दायर की गई हैं, जिसने विज्ञापन से जुड़े डेटा साझा करने के मामले में सीमित राहत देते हुए प्रभुत्व के दुरुपयोग संबंधी सीसीआई के निष्कर्षों को बरकरार रखा था। प्रधान न्यायाधीश ने कहा, ''आप डेटा साझा करने के नाम पर इस देश के निजता के अधिकार से खिलवाड़ नहीं कर सकते। हम आपको डेटा का एक शब्द भी साझा करने की अनुमति नहीं देंगे, या तो आप लिखित वचन (अंडरटेकिंग) दें... आप नागरिकों के निजता के अधिकार का उल्लंघन नहीं कर सकते।'' पीठ ने कहा कि इस देश में निजता के अधिकार की सख्ती से रक्षा की जाती है। उसने कहा कि गोपनीयता संबंधी शर्तें ''इतनी चालाकी से तैयार'' की गई हैं कि आम व्यक्ति उन्हें समझ ही नहीं सकता। प्रधान न्यायाधीश ने कहा, ''यह निजी जानकारी की चोरी करने का एक सभ्य तरीका है, हम आपको ऐसा नहीं करने देंगे... आपको लिखित वचन देना होगा, अन्यथा हमें आदेश पारित करना होगा।''

सरकार सहकारी लोकपाल के लिए ऑनलाइन पोर्टल तैयार कर रही : अमित शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सहकारिता मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को कहा कि सरकार शिकायतों और अपीलों का पारदर्शी और प्रौद्योगिकी-आधारित प्रबंधन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से ''सहकारी लोकपाल'' के लिए एक ऑनलाइन पोर्टल तैयार कर रही है। शाह ने लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में कहा कि बहुराज्यीय सहकारी समितियां अधिनियम, 2002 में संशोधन के बाद 5 मार्च 2024 को सहकारी लोकपाल की नियुक्ति की गई थी।

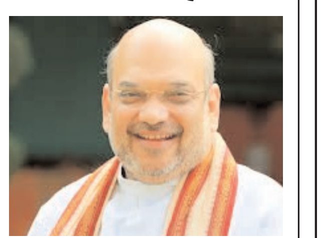

सहकारी लोकपाल बहुराज्यीय सहकारी समितियों के सदस्यों द्वारा उनकी जमा राशि, समिति के कामकाज या व्यक्तिगत अधिकारों को प्रभावित करने वाले किसी अन्य मुद्दे से संबंधित शिकायतों की जांच करता है। शाह ने कहा, ''सरकार ने सहकारी लोकपाल के लिए एक ऑनलाइन पोर्टल तैयार करने की पहल की है, जो शिकायतों और अपीलों के पारदर्शी, कुशल और प्रौद्योगिकी-आधारित प्रबंधन के लिए किया जा रहा है।''

सहकारी लोकपाल सहकारी सूचना अधिकारी द्वारा पारित आदेश के विरुद्ध किसी भी सदस्य द्वारा दायर अपील के लिए अपीलीय प्राधिकार भी है। बहुराज्यीय सहकारी समिति नियम, 2002, शिकायत/अपील दायर करने के लिए एक सरल मानकीकृत प्रक्रिया उपलब्ध कराते हैं।

देश से नक्सलवाद लगभग समाप्त हो गया है, मार्च तक पूरी तरह खत्म हो जाएगा : सरकार

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने मंगलवार को कहा कि देश में वामपंथी उग्रवाद लगभग-लगभग समाप्त हो गया है और आगामी मार्च महीने तक यह पूरी तरह खत्म हो जाएगा।

केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने लोकसभा में प्रश्नकाल में कहा कि केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) को परंपरागत तरीके के साथ ही आधुनिक प्रशिक्षण दिया जाता है और इसमें वर्तमान की चुनौतियों और भविष्य को दृष्टिगत रखा जाता है। उन्होंने तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) के सांसद ए कालीसेट्टी के पूरक प्रश्न का उत्तर देते हुए कहा, ''इसी प्रशिक्षण का परिणाम है कि देश से वामपंथी उग्रवाद या नक्सलवाद लगभग लगभग समाप्त हो गया है और मार्च तक यह पूरी तरह समाप्त हो जाएगा।''

राय ने कहा कि इसी के कारण सरकार को आतंकवाद रोधी कार्रवाइयों में सफलता मिली है, वह आंतरिक सुरक्षा सुनिश्चित करने में सफल हुई है, वहीं उत्तर पूर्व में भी शांति व्याप्त है।

यूपीआई लेनदेन 2025-26 में दिसंबर तक रिकॉर्ड 230 लाख करोड़ रुपए पर पहुंचा: सरकार

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने मंगलवार को राज्यसभा को बताया कि चालू वित्त वर्ष 2025-26 में दिसंबर तक लोकप्रिय यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) के माध्यम से रिकॉर्ड 230 लाख करोड़ रुपए तक का लेनदेन हुआ है। उच्च सदन में प्रश्नकाल के दौरान पूरक प्रश्नों का उत्तर देते हुए वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने कहा कि यूपीआई के जरिए लेनदेन तेज गति से बढ़ रहा है। उन्होंने कहा, घरेलू लेनदेन की बात करें तो वर्ष 2025-26 में दिसंबर तक कुल 230 लाख करोड़ रुपए का लेनदेन किया गया है, जबकि वर्ष 2022-23 में कुल लेनदेन 139 लाख करोड़ रुपए था।

चौधरी ने यह भी जानकारी दी कि यूपीआई का विस्तार अब भारत के बाहर भी हो रहा है और मुद्रा रूपांतरण के बाद, संबंधित देशों के घरेलू कानूनों का पालन करते हुए, इसका उपयोग आठ देशों में किया जा रहा है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने एक लिखित उत्तर में बताया कि वर्तमान में यूपीआई के तहत आठ देशोंभूटान, फ्रांस, मॉरीशस, नेपाल, कतर, सिंगापुर, श्रीलंका और संयुक्त अरब अमीरात में लेनदेन हो रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) और एनपीसीआई इंटरनेशनल पेमेंट्स लिमिटेड (एनआईपीएल) यूपीआई के अंतरराष्ट्रीय विस्तार के लिए विभिन्न कदम उठा रहे हैं।

अशिक्षितों से दस्तावेज मांगे जा रहे, प्रधानमंत्री की डिग्री अब भी सार्वजनिक नहीं : रेवंत रेड्डी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का शैक्षणिक प्रमाणपत्र सार्वजनिक नहीं किया गया है जबकि निर्वाचन आयोग द्वारा शुरू किए गए मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान अशिक्षितों और गरीबों से कई दस्तावेज मांगे जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने यह बात सोमवार को यहां भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) के दिवंगत नेता रवि नारायण रेड्डी की स्मृति में स्थापित पुरस्कार शीर्ष अदालत के पूर्व न्यायाधीश बी. सुदर्शन रेड्डी को प्रदान करने के लिए आयोजित एक कार्यक्रम में कही। इस दौरान उन्होंने फोन टैपिंग मामले में भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) पर भी निशाना साधा और पार्टी अध्यक्ष के. चंद्रशेखर राव (केसीआर) से पूछताछ किए जाने के खिलाफ पार्टी के विरोध प्रदर्शन करने की आलोचना की। उन्होंने 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' के प्रस्ताव का जिक्र करते हुए आरोप लगाया कि यह देश में 'एक व्यक्ति-एक पार्टी' शासन लाने का प्रयास है। मुख्यमंत्री ने दावा किया कि भाजपा को 2024 के लोकसभा चुनावों में 'संविधान मिटाने' के लिए 400 सीटें चाहिए थीं। उन्होंने कहा कि जनहित में संवैधानिक संशोधन करने के लिए साधारण बहुमत ही पर्याप्त होता है।

सुनेत्रा पवार को सौंपा गया पुणे और बीड के संरक्षण मंत्री का प्रभार

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र की उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार को मंगलवार को बीड और पुणे जिलों के संरक्षण मंत्री का प्रभार सौंपा गया। यह पद पहले उनके पति अजीत पवार के पास था।

पिछले सप्ताह पुणे जिले के बारामती में विमान दुर्घटना में अजीत पवार के निधन के बाद सुनेत्रा पवार ने उपमुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली है।

अजीत पवार के पास वित्त, राज्य उत्पाद शुल्क, खेल और अल्पसंख्यक कल्याण विभागों का प्रभार था। उन्होंने पुणे और बीड के प्रभारी मंत्री के रूप में भी कार्य किया।

सूत्रों के अनुसार, सुनेत्रा पवार को दोनों जिलों का प्रभारी मंत्री नियुक्त किया गया है।

उन्हें पहले ही आबकारी, खेल और अल्पसंख्यक कल्याण विभाग सौंप दिए गए हैं, जबकि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस वित्त मंत्रालय का कार्यभार संभालेंगे।

अनुचित तरीके से दावा ठुकराने पर स्वास्थ्य बीमा कंपनियों पर कार्रवाई की जाए : रंजीत रंजन

नई दिल्ली/भाषा। स्वास्थ्य बीमा कंपनियों की कथित मनमानी और इसकी वजह से बीमा कराने वाले को होने वाली परेशानी पर चिंता जताते हुए राज्यसभा में मंगलवार को कांग्रेस की एक सदस्य ने मांग की कि भारतीय बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण के दिशा निर्देशों का कठोर एवं अनिवार्य रूप से अनुपालन सुनिश्चित किया जाए एवं अनुचित तरीके से दावा ठुकराने पर बीमा कंपनी पर कार्रवाई की जाए।

कांग्रेस की रंजीत रंजन ने शून्यकाल के दौरान स्वास्थ्य बीमा कंपनियों की कथित मनमानी का मुद्दा उठाते हुए कहा कि कई दावे विभिन्न तकनीकी कारणों या मामूली वजहों से खारिज कर दिए जाते हैं। उन्होंने कहा कि कई बार दस्तावेज पूरे होने पर भी दावा खारिज किया जाता है, कभी कह दिया जाता है कि यह बीमारी दावा करने वाले को पहले से ही थी। उन्होंने कहा, ''इससे मरीज और उसके परिजन संकट के समय में आर्थिक और मानसिक रूप से परेशान हो जाते हैं।'' रंजन ने कहा कि कंपनियां डॉक्टर से ज्यादा नहीं जानतीं, फिर भी वह दावा खारिज करने के लिए ऊटपटांग तर्क देती हैं। ऐसी कंपनियां एक तरह से आम लोगों का ''दुरूपयोग'' कर रही हैं। उन्होंने कहा, ''यह अमानवीय प्रवृत्ति है। दस्तावेज पूरे मांगे जाते हैं लेकिन विचित्र बहाने बना कर दावे खारिज कर दिए जाते हैं। यह अन्याय है।''

नायडू ने 24 घंटों के भीतर 4,000 ई-साइकिल वितरित करके 'गिनीज वर्ल्ड' रिकॉर्ड बनाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अमरावती/भाषा। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने 24 घंटे के भीतर लगभग 4,000 'सुपर साइकिल' (ई-साइकिल) वितरित कर 'गिनीज वर्ल्ड' रिकॉर्ड बनाया है।

मुख्यमंत्री ने अपने गृह निर्वाचन क्षेत्र कुप्पम के हालिया दौरे में वितरण के लिए निर्धारित कुल 5,555 ई-साइकिलों में से 3,742 साइकिल मात्र 24 घंटे के भीतर वितरित कीं।

इस संबंध में मंगलवार को जारी एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया, '' महिला सशक्तीकरण और सतत विकास की दिशा में एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करते हुए मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने 31 जनवरी को गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में नाम दर्ज कराया। यह रिकॉर्ड 5,555 सुपर साइकिलों के वितरण अभियान के दौरान बना, जिसमें से 3,742 साइकिलें एक ही दिन में वितरित की गईं।

थुम्सी गांव में 31 जनवरी को एक जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने 'सुपर साइकिल' को आत्मविश्वास और आर्थिक स्वतंत्रता का उत्प्रेरक बताया।

तेलुगू देशम पार्टी (तेदेपा) के प्रमुख ने कहा कि ई-साइकिल को चार्ज करने के लिए छत पर लगे सौर पैनल का उपयोग कर महिलाएं और छात्राएं पर्यावरण की रक्षा करने के साथ-साथ ईंधन लागत में प्रति माह 1,500 रुपए तक बचा सकती हैं।

इस पहल के लाभार्थियों में स्वयं सहायता समूह की सदस्य, ग्राम सचिवालय कर्मचारी, आंगनवाड़ी शिक्षक, आशा कार्यकर्ता और अन्य कामकाजी महिलाएं शामिल हैं।

बिरला को राहुल का पत्र: सरकार के इशारे पर आपने बोलने से रोका, यह लोकतंत्र पर काला धब्बा

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने अध्यक्ष ओम बिरला को पत्र लिखकर उन पर सरकार के इशारे पर खुद को सदन में बोलने से रोकने का आरोप लगाते हुए कहा कि यह लोकतंत्र पर काला धब्बा है। उन्होंने यह भी कहा कि नेता प्रतिपक्ष और प्रत्येक सदस्य का बोलने का अधिकार लोकतांत्रिक व्यवस्था का अभिन्न अंग है, लेकिन इन बुनियादी लोकतांत्रिक अधिकारों को दरकिनार किए जाने के कारण एक अभूतपूर्व स्थिति पैदा हो गई है। सदन में गतिरोध के बीच नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सोमवार की तरह मंगलवार को भी पूर्व सेना प्रमुख एम एम नरवणे के अप्रकाशित संस्मरण पर आधारित लेख का हवाला देकर चीन का विषय उठाने का प्रयास किया, लेकिन आसन से इसकी अनुमति नहीं मिली। हालांकि उन्होंने इस लेख को सत्यापित किया और सदन के पटल पर रखा।

पत्र में राहुल ने कहा, ''सोमवार को राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान आपने मुझे उस पत्रिका के लेख को सत्यापित करने का निर्देश दिया था, जिसका मैं उल्लेख करना चाहता था। जब मैंने भाषण फिर से शुरू किया, तो मैंने उस दस्तावेज़ को सत्यापित कर दिया।'' लंबे समय से चली आ रही परंपरा और पूर्व अध्यक्षों के बार-बार दिए गए निर्णयों के अनुसार, यदि कोई सदस्य सदन में किसी दस्तावेज़ का उल्लेख करना चाहता है, तो उसे पहले उसे सत्यापित करना होता है और सामग्री की ज़िम्मेदारी लेनी होती है।

अदाणी समूह और लियोनार्डो हेलीकॉप्टर विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र स्थापित करेंगे

नई दिल्ली/भाषा। अदाणी समूह और इटली की प्रमुख कंपनी लियोनार्डो ने मंगलवार को भारत में एक एकीकृत हेलीकॉप्टर विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र स्थापित करने के लिए रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की। यह कदम 'मेक इन इंडिया' प्रयासों को बढ़ावा देने और देश को अधिक आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में बड़ा कदम होगा। यह विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र सैन्य मांगों को पूरा करने और हेलीकॉप्टर उत्पादन में भारत की आत्मनिर्भरता बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करेगा।

अदाणी डिफेंस एंड एयरोस्पेस और लियोनार्डो ने मंगलवार को राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित एक कार्यक्रम में इस साझेदारी के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। यह साझेदारी भारतीय सशस्त्र बलों की जरूरतों को लक्षित करेगी, विशेष रूप से लियोनार्डो के उन्नत एडब्ल्यू169एम और एडब्ल्यू109 ट्रेकर हेलीकॉप्टरों के लिए ऐसा किया जाएगा।

एक बयान में कहा गया कि यह सहयोग चरणबद्ध स्वदेशीकरण, मजबूत रखरखाव, मरम्मत और ओवरहाल (एमआरओ) क्षमताओं तथा व्यापक पायलट प्रशिक्षण की सुविधा प्रदान करेगा। भारत में हेलीकॉप्टर की उपलब्धता काफी कम है, जहां देश की जनसंख्या के हिसाब से 250 से भी कम हेलीकॉप्टर हैं।

एयर इंडिया ने बोइंग 787 विमानों के ईंधन नियंत्र स्विच की जांच शुरू की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। एयर इंडिया ने अपने बोइंग 787 विमानों के ईंधन नियंत्रण स्विच की जांच शुरू कर दी है। सूत्रों के अनुसार, यह कदम रविवार को लंदन हीथ्रो से बेंगलूरु के लिए संचालित एक विमान में स्विच के खराब होने की घटना के बाद उठाया गया है। इस समय एयर इंडिया के पास 33 बोइंग 787 या ड्रीमलाइनर विमान हैं।

सूत्रों के मुताबिक एयर इंडिया के उड़ान संचालन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष मनीष उप्पल ने बोइंग 787 पायलटों को बताया कि एयरलाइन ने विमान के ईंधन नियंत्रण स्विच की बेड़े-वार फिर से जांच शुरू कर दी है।

उप्पल ने कहा कि एक बी787 विमान पर ईंधन नियंत्रण स्विच से जुड़ी खराबी का पता चलतने के बाद एयरलाइन की इंजीनियरिंग टीम ने प्राथमिकता के आधार पर मूल्यांकन के लिए मामले को बोइंग के पास भेजा है। उन्होंने मंगलवार को एक ईमेल में कहा कि इस बीच, जब तक हम बोइंग की प्रतिक्रिया का इंतजार कर रहे हैं, हमारे इंजीनियरों ने अत्यधिक सावधानी बरतते हुए सामान्य संचालन को सत्यापित करने के लिए ईंधन नियंत्रण स्विच की एहतियाती बेड़े-वार फिर से जांच शुरू कर दी है।

उप्पल ने बी787 पायलटों को भेजे गए ईमेल में यह भी कहा कि जिन विमानों के लिए यह जांच पूरी हो चुकी है, उनमें कोई प्रतिकूल परिणाम नहीं मिले हैं। इसके अलावा, एयर इंडिया ने चालक दल से परिचालन के दौरान देखी गई किसी भी खराबी के बारे में तुरंत बताने और विमान अपने नियंत्रण में लेने से पहले सभी आवश्यक कार्रवाई पूरी होने की बात सुनिश्चित करने को कहा है। एयर इंडिया ने पिछले साल अहमदाबाद में एक बोइंग 787-8 विमान के भीषण हादसे के बाद भी ईंधन नियंत्रण स्विच की जांच की थी। इस दुर्घटना में 260 लोग मारे गए थे।

'फादर ऑफ ऑल डील्स' है भारत-अमेरिका व्यापार समझौता, विपक्ष की बोलती बंद : हर्षवर्धन श्रृंगला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भाजपा सांसद और अमेरिका में भारत के राजदूत रह चुके हर्षवर्धन श्रृंगला ने मंगलवार को भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को 'फादर ऑफ ऑल डील्स' करार दिया तथा इस पर सवाल उठाने वाले विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि उसकी ''बोलती बंद हो गई है''। भारत और अमेरिका एक व्यापार समझौते पर सहमत हुए हैं, जिसके तहत वाशिंगटन भारतीय सामान पर शुल्क (टैरिफ) को घटाकर 18 प्रतिशत कर देगा, जो चीन, बांग्लादेश और वियतनाम जैसे देशों के मुकाबले कम है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ फोन पर बातचीत के बाद व्यापार समझौते के संबंध में घोषणा की। वर्ष 2019 से 2020 तक अमेरिका में भारत के राजदूत रहे श्रृंगला ने इसे एक ''ऐतिहासिक समझौता'' बताया। राज्यसभा सदस्य ने संसद परिसर में पीटीआई से कहा, ''हमें समझौते की मोटी-मोटी बातें पता हैं... और विवरण अधिकारी तय करेंगे।'' कांग्रेस के इस आरोप का जवाब देते हुए कि प्रधानमंत्री मोदी ने भारत के किसानों की कीमत पर ट्रंप को खुश करने के लिए ''पूरी तरह समर्पण'' कर दिया है, श्रृंगला ने पूछा कि क्या वे इस बात से नाखुश हैं कि भारतीय निर्यातकों को फायदा होगा या फिर 'मेक इन इंडिया' की संभावित सफलता से अप्रसन्न हैं। उन्होंने पीटीआई-वीडियो से कहा, ''यह जानना ज़रूरी है, और विपक्ष को इस बात पर ध्यान देना चाहिए कि जो आंकड़ा दिया जा रहा है, वह 18 प्रतिशत है।'' श्रृंगला ने रेखांकित किया कि अमेरिका को निर्यात के लिए पहुंच का दायरा तय करने वाला यह आंकड़ा भारत के किसी भी दूसरे प्रतिस्पर्धी देश के आंकड़ों से कम है -- चीन, वियतनाम, इंडोनेशिया, पाकिस्तान या बांग्लादेश से कम। उन्होंने कहा, ''यह हमारे निर्यातकों के लिए बहुत बड़ा फायदा है। हम अमेरिका को होने वाले निर्यात में बढ़ोतरी देखने वाले हैं। इसी बात पर विपक्ष को खुश होना चाहिए।''

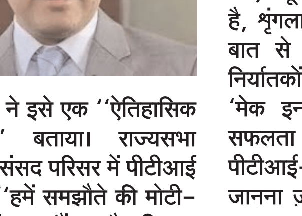

भाजपा ने आबकारी विभाग में भ्रष्टाचार के आरोप में मंत्री थिम्मापुर के इस्तीफे की मांग की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की कर्नाटक इकाई ने मंगलवार को आबकारी विभाग में रिश्वतखोरी, तबादलों के रैकेट और व्यापक भ्रष्टाचार का आरोप लगाया। इस संबंध में भाजपा ने आबकारी मंत्री आरबी थिम्मापुर के इस्तीफे की मांग की। विधानसभा में विपक्ष के नेता आर. अशोक ने कहा, आबकारी विभाग में लाइसेंस जारी करने और तबादलों में मदद के लिए रिश्वत ली जा रही है। इससे संबंधित ऑडियो रिकॉर्डिंग जारी की गई हैं और लोकायुक्त के समक्ष शिकायतें दर्ज कराई गई हैं। इसलिए, आबकारी मंत्री आरबी थिम्मापुर को तत्काल इस्तीफा देना चाहिए। अशोक ने आरोप लगाया कि राज्य का आबकारी विभाग भ्रष्टाचार में सबसे आगे है। वीबी–जी राम जी योजना का विरोध कर रहे कांग्रेस नेता महात्मा गांधी के आदर्शों की बात कर रहे हैं। हालांकि, कांग्रेस स्वयं गांधीजी के आदर्शों का पालन नहीं कर रही है।

अशोक ने कहा, सरकारी अधिकारियों के व्हाट्सएप संदेश में आधिकारिक तौर पर निर्देश दिया गया है कि मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री हुबली में आवास विभाग के एक कार्यक्रम में भाग ले रहे हैं, इसलिए अधिक लोग आएंगे, इसलिए शराब की दुकानों में पर्याप्त मात्रा में शराब का स्टॉक करके उसे बेचा जाना चाहिए। इससे घर बर्बाद हो रहे हैं।

मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या संवेदनशीलता का पाठ पढ़ाने की बात करते हैं। लोगों को शराब पीने के लिए कहना उनकी संवेदनशीलता की पहचान है। उन्होंने कहा, मंत्री इसलिए चुप हैं क्योंकि मासिक शुल्क आबकारी विभाग में चल रहे घोटाले में शामिल अधिकारियों से आता है। शराब विक्रेता संघ के अध्यक्ष गुरुस्वामी ने एक विज्ञप्ति जारी कर कहा है कि वे अनियमितताओं के बारे में राहुल गांधी से शिकायत करेंगे।

उन्होंने आलोचना करते हुए कहा कि गुरुस्वामी ने बताया है कि 2,000 शराब की दुकानों को अनुमति दी गई है और 50 लाख रुपए से लेकर 1 करोड़ रुपए तक की रिश्वत ली गई है। हर महीने की 10 तारीख तक रिश्वत न देने पर दुकान मालिकों को परेशान किया जाता है। गुरुस्वामी मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या के वरुणा निर्वाचन क्षेत्र से ही हैं। गुरुस्वामी की शिकायत के बावजूद सिद्दरामय्या ने कोई मदद नहीं की। सिद्दरामय्या अब मजबूत मुख्यमंत्री नहीं रहे।

अशोक ने आरोप लगाते हुए कहा, आबकारी विभाग घोटाले से संबंधित एक ऑडियो सामने आया है। इसमें आबकारी मंत्री आरबी थिम्मापुर और उनके बेटे पर आरोप लगाए गए हैं। हालांकि, मंत्री का कहना है कि यह ऑडियो उन्होंने नहीं बनाया है। कुल मिलाकर, शराब की आपूर्ति करने वाली 14,229 दुकानें हैं। लेकिन राज्य में इतने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र नहीं हैं। प्रत्येक दुकान से हर महीने 15,000 से 20,000 रुपए की रिश्वत ली जाती है। इसका मतलब है कि औसतन 21 करोड़ रुपए प्रति माह और 252 करोड़ रुपए प्रति वर्ष लिए जाते हैं।

उन्होंने दावा किया कि आबकारी विभाग में तबादलों के लिए धनराशि तय है। उपायुक्तों के तबादलों के लिए 2.5 से 3.5 करोड़ रुपए, अधीक्षकों के लिए 25 से 30 लाख रुपए, उप अधीक्षकों के लिए 30 से 40 लाख रुपए, आबकारी निरीक्षकों के लिए 40 से 50 लाख रुपए और कांस्टेबलों के लिए 5 से 8 लाख रुपए का भुगतान करना पड़ता है।

उन्होंने कहा, जब नागेश भाजपा सरकार में मंत्री थे, तब उन पर तबादलों के लिए रिश्वत लेने के आरोप लगे थे। बाद में उन्होंने इस्तीफा दे दिया। जब केएस ईश्वरप्पा पर आरोप लगे, तब उन्होंने भी इस्तीफा दे दिया। हालांकि, इतनी रिश्वतखोरी का पर्दाफाश होने के बावजूद मंत्री थिम्मापुर ने इस्तीफा नहीं दिया है।

सुबह की सैर के समय महिला पर रॉटवीलर कुत्ते ने हमला किया

बेंगलूरु। बेंगलूरु में सुबह टहलने निकली 31 वर्षीय एक महिला पर रॉटवीलर नस्ल के कुत्ते ने कथित तौर पर हमला कर दिया, जिसके बाद पुलिस ने इसके मालिक के खिलाफ मामला दर्ज किया। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि इस हमले में महिला के चेहरे और गर्दन पर गंभीर चोटें आईं हैं। घायल महिला की लगभग आठ घंटे लंबी सर्जरी की गई।

पुलिस के अनुसार, यह घटना 26 जनवरी को तब हुई जब एचएसआर लेआउट के टीचर्स कॉलोनी में रहने वाली शालिनी दुबे सुबह अपने घर के पास टहलने के लिए निकली थीं। उसने बताया कि घटना से संबंधित सीसीटीवी फुटेज में कुत्ते को सड़क पर महिला की ओर दौड़ते हुए, उन्हें नीचे गिराते और उनके चेहरे व गर्दन पर बार–बार काटते हुए देखा गया। महिला के परिवार ने आरोप लगाया कि कुत्ते के मालिक ने उसे बिना पट्टे के सड़क पर खुला छोड़ दिया था। कुत्ते के मुंह पर किसी प्रकार को कोई कवर भी नहीं लगा था।

शालिनी के पति सत्य प्रकाश दुबे ने बताया कि इस हमले में शालिनी को चेहरे, गले और सिर पर गहरी चोटें आईं और उन्हें 80 से अधिक टांके लगे हैं। उनकी सर्जरी आठ घंटे तक चली। वह फिलहाल अस्पताल में भर्ती हैं। प्रकाश ने घटना की जानकारी देते हुए बताया कि 26 जनवरी को सुबह 6.50 बजे जब शालिनी टहल कर वापस आ रही थी, तब यह घटना हुई। उन्होंने कहा, अगर मालिक इतने बड़े कुत्ते को नियंत्रित नहीं कर सकता था तो उसे कभी भी खुला नहीं छोड़ा जाना चाहिए था। सार्वजनिक स्थानों पर सुरक्षा नियमों का पालन करना और कुत्ते को पट्टा व मुखौटा पहनाकर रखना मालिक की जिम्मेदारी है। उन्होंने बताया, मेरी पत्नी गहरे सदमे में है। डॉक्टरों के अनुसार, उनके चेहरे और शरीर पर चोट के निशान उम्र भर रहेंगे। पुलिस के अनुसार, शिकायत के बाद कुत्ते के मालिक अमरेश रेड्डी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर उन्हें हिरासत में ले लिया गया है।

कांग्रेस सरकार ने मनरेगा की बहाली के लिए विधानसभा में प्रस्ताव पेश किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक में कांग्रेस सरकार ने मंगलवार को विधानसभा में एक प्रस्ताव पेश किया, जिसमें केंद्र से नए ग्रामीण रोज़गार कानून 'वीबी–जी राम जी' अधिनियम को तुरंत रद्द करने और संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) काल की मनरेगा योजना को उसके मूल रूप में बहाल करने का आग्रह किया गया। इस दौरान विपक्षी दल भाजपा ने इसका कड़ा विरोध किया। मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या द्वारा पेश किए गए प्रस्ताव में कहा गया कि केंद्र द्वारा एकतरफा ढंग से लागू किया गया 'वीबी–जी राम जी अधिनियम' संघवाद के मूल आदर्शों और ग्रामीण लोगों की आजीविका के अधिकार के लिए हानिकारक है।

मुख्यमंत्री ने प्रस्ताव पढ़ते हुए कहा, कर्नाटक के ग्रामीण लोगों के जीवन के अधिकार की रक्षा के लिए, यह सदन केंद्र सरकार से आग्रह करता है कि वह तुरंत 'वीबी–जी राम जी' अधिनियम को रद्द करे, जो संघीय सिद्धांत के खिलाफ है, राज्य के खजाने पर एक गंभीर बोझ है और विकेंद्रीकरण के सिद्धांत के खिलाफ है। इसने (वीबी–जी राम जी अधिनियम ने) ग्राम पंचायतों की शक्तियों और अधिकारों को छीन लिया है; तथा केंद्र महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) को उसके मूल रूप में बहाल करे, जिससे ग्रामीण संपत्ति का निर्माण हुआ है और गरीबों में आत्मनिर्भरता आई है।

यह उल्लेख करते हुए कि भारतीय लोकतंत्र की नींव पंचायती राज प्रणाली और सत्ता के विकेंद्रीकरण के सिद्धांतों के प्रति विधानसभा अपनी पूरी प्रतिबद्धता दोहराती है, उन्होंने कहा, यह सदन मनरेगा को खत्म करने को गंभीरता से लेता है, जो ग्रामीण गरीबों के लिए एक संजीवनी थी और ग्रामीण जीवन का एक अभिन्न अंग थी। इसमें कहा गया, यह सदन केंद्र के इस कदम (मनरेगा को खत्म करके वीबी–जी–राम जी अधिनियम लाने) का कड़ा विरोध करता है। नेता प्रतिपक्ष आर. अशोक के नेतृत्व में भाजपा सदस्यों ने इस पर कड़ी आपत्ति जताई और कहा, यह मत कहिए कि सदन इसका कड़ा विरोध करता है, कहिए कि सरकार विरोध करती है। हमें इसमें शामिल मत कीजिए। हालांकि, मुख्यमंत्री प्रस्ताव पढ़ते रहे और कहा कि विपक्षी सदस्य प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान अपनी आपत्तियां उठा सकते हैं। इससे विपक्षी सदस्य नाराज हो गए और उन्होंने सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। इस पर, मुख्यमंत्री ने सत्ताधारी कांग्रेस सदस्यों से प्रतिक्रिया देने को कहा, जिससे सदन में हंगामा हो गया। इसके बाद, अध्यक्ष यू टी खादर ने सदन की कार्यवाही दोपहर भोज तक के लिए स्थगित कर दी।

भाजपा ने कांग्रेस के एमएलसी के निलंबन की मांग को लेकर सभापति को याचिका दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक में विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने विधान परिषद के सभापति बसवराज होरट्टी को याचिका देकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ कथित अपमानजनक टिप्पणी करने को लेकर कांग्रेस के विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) नसीर अहमद को सदन से तत्काल निलंबित करने की मांग की है। अहमद मुख्यमंत्री के राजनीतिक सचिव भी हैं। परिषद में विपक्ष के नेता चलवाडी नारायणस्वामी के नेतृत्व में भाजपा नेताओं के एक प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को दिन भर के लिए सदन स्थगित होने के बाद होरट्टी से मुलाकात कर उन्हें शिकायत सौंपी। नारायणस्वामी ने सोशल मीडिया मंच एक्स' पर लिखा, कांग्रेस के विधान परिषद सदस्य द्वारा प्रधानमंत्री के खिलाफ अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल राजनीति के सबसे निचले स्तर का उदाहरण है।

उन्होंने कहा, सोमवार (दो फरवरी) को सभापति को एक शिकायत सौंपी गई जिसमें देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ विधान परिषद की कार्यवाही के दौरान निम्नतम स्तर के अपमानजनक शब्दों के इस्तेमाल के लिए नसीर अहमद को सदन से तत्काल निलंबित करने की मांग की गई। विपक्ष के नेता ने कहा कि सदन की गरिमा एवं संसदीय मूल्यों को ताक पर रख दिया गया है और यह बेहद निंदनीय है। उन्होंने कहा, यह व्यवहार लोकतंत्र के आदर्शों के खिलाफ है और यह अपील की गई है कि गैर–जिम्मेदाराना बयान देने वाले सदस्य के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या राज्यपाल के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान जब जवाब दे रहे थे तभी विपक्ष एवं सत्तापक्ष के सदस्यों के बीच तीखी नोकझोंक के दौरान अहमद ने प्रधानमंत्री के खिलाफ कथित रूप से कुछ टिप्पणियां कीं। हालांकि सभापति ने विधान परिषद सदस्य द्वारा की गई टिप्पणियों को कार्यवाही से हटा दिया था लेकिन भाजपा के सदस्यों ने अहमद से माफी मांगने की मांग करते हुए आसन के समक्ष आकर विरोध प्रदर्शन किया।

अहमद के माफी नहीं मांगने और भाजपा के विरोध जारी रखने पर सभापति ने राज्यपाल के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव को मतदान के लिए रखा और शोर–शराबे के बीच इसे पारित कर दिया गया। इसके बाद सदन को दिन भर के लिए स्थगित कर दिया गया।

अपार्टमेंट के सातवें तल से गिरकर किशोर की मौत : पब मालिक, कर्मचारियों पर मामला दर्ज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बेंगलूरु में 15 वर्षीय लड़के की एक अपार्टमेंट की सातवीं मंजिल से गिरकर मौत के मामले में उसे (लड़के को) कथित रूप से शराब परोसने को लेकर एक पब के मालिक और कर्मचारियों पर प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार यह घटना 31 जनवरी की रात को डॉ. विष्णुवर्धन रोड पर स्थित एक अपार्टमेंट में हुई। पुलिस ने बताया कि लड़के के पिता की शिकायत के आधार पर यह कार्रवाई की गयी है।

पुलिस के अनुसार, शिकायतकर्ता ने दावा किया कि 31 जनवरी को रात लगभग नौ बजकर 40 मिनट पर उसका 15 वर्षीय नाबालिग बेटा उस अपार्टमेंट की सातवीं मंजिल से गिर गया, जहां वह रह रहा था और उसकी मौत हो गई। इस संबंध में राजराजेश्वरी नगर थाने में एक मामला दर्ज किया गया है।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा, जांच के दौरान पुलिस ने मामले की विभिन्न पहलुओं से जांच की और पाया कि 31 जनवरी को इस नाबालिग ने अपने दोस्तों के साथ उस पब में शराब पी थी और धूम्रपान किया था। पुलिस ने कहा कि इसलिए, नाबालिग को शराब के सेवन की इजाजत देने को लेकर संबंधित कंपनी के मालिकों और कर्मचारियों के खिलाफ किशोर न्याय अधिनियम और कर्नाटक उत्पाद शुल्क अधिनियम के प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया गया है तथा जांच की जा रही है।

सिद्दरामय्या ने अधिकारियों को कन्नड़ फिल्म 'लैंडलॉर्ड' को कर छूट देने का निर्देश दिया

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने मंगलवार को संबंधित अधिकारियों को हाल ही में रिलीज हुई कन्नड़ फिल्म 'लैंडलॉर्ड' को कर छूट देने का निर्देश दिया और कहा कि यह फिल्म सामाजिक असमानता और जाति–आधारित शोषण के विषयों पर आधारित है।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में मुख्यमंत्री ने उम्मीद जतायी कि यह निर्णय आने वाले दिनों में सामाजिक मुद्दों पर प्रकाश डालने वाली 'लैंडलॉर्ड' जैसी और अधिक फिल्में बनाने के लिए प्रेरित करेगा। उन्होंने कहा, मैंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे सामाजिक असमानता और जाति–आधारित शोषण के विषयों पर आधारित डी विजय अभिनीत फिल्म 'लैंडलॉर्ड' को कर छूट प्रदान करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनका मानना है कि सिनेमा, जनता तक सार्थक संदेश पहुंचाने, जनमत को आकार देने और सामाजिक परिवर्तन लाने का एक अत्यंत प्रभावी माध्यम है।

उन्होंने कहा, जब फिल्में सामाजिक मुद्दों को उठाती हैं तो सरकार के रूप में ऐसे प्रयासों का समर्थन करना हमारी नैतिक जिम्मेदारी है। कन्नड़ फिल्म 'लैंडलॉर्ड' गत 23 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी।

रियल एस्टेट कारोबारी की मौत की जांच एसआईटी कर रही, रिपोर्ट के आधार पर होगी कार्रवाई : परमेश्वर

बेंगलूरु। कर्नाटक के गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने मंगलवार को कहा कि 'कॉन्फिडेंट समूह' के संस्थापक एवं अध्यक्ष सी. जे. रॉय की मौत की जांच कर रहा विशेष जांच दल (एसआईटी) मृतक के परिजन एवं अन्य लोगों के बयान दर्ज करेगा तथा जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई तय की जाएगी।

केरल के मूल निवासी रॉय ने 30 जनवरी को अपने परिसर में आयकर विभाग की छापेमारी के दौरान कथित तौर पर आत्महत्या कर ली थी। परमेश्वर ने रॉय की मौत की जांच को लेकर एक सवाल के जवाब में पत्रकारों से कहा, एसआईटी ने जांच शुरू कर दी है। वह परिजन एवं अन्य लोगों के बयान दर्ज करेगी और देखेगी कि क्या सामने आता है। आयकर विभाग के कारण रॉय के परेशान होने संबंधी उनके परिवार के दावे के बारे में पूछे जाने पर परमेश्वर ने कहा, जांच पूरी होने के बाद ही सभी बातें सामने आएंगी। जांच से पहले हम यह नहीं बता सकते कि इसकी क्या वजह रही है। केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने रॉय की मौत के मामले की न्यायिक जांच कराने का अनुरोध करते हुए केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को पत्र लिखा है। परमेश्वर ने इस पत्र के बारे में कहा, मुझे पता है कि उन्होंने (विजयन ने) पत्र लिखा है, लेकिन मुझे इसकी विषयवस्तु नहीं पता। इंतजार करते हैं और देखते हैं कि वे क्या तय करते हैं। आयकर विभाग निर्मला सीतारमण के अंतर्गत आता है। वह न्यायिक जांच या किसी अन्य जांच का आदेश देंगी या नहीं, हमें नहीं पता। उन्होंने कहा, राज्य स्तर पर हमने एसआईटी का गठन किया है। उसने जांच शुरू कर दी है और रिपोर्ट के आधार पर हम निर्णय लेंगे। रॉय की मौत के संबंध में अशोक नगर पुलिस थाने में अस्वाभाविक मृत्यु की रिपोर्ट (यूडीआर) दर्ज की गई है। रॉय के भाई सी. जे. बाबू ने दावा किया है कि आयकर विभाग की कार्यवाही के कारण रॉय परेशान थे।

प्रसिद्ध संगीतकार एस पी वेंकटेश का निधन

चेन्नई। फिल्म 'राजविंते मकान' (1986) से प्रसिद्धि पाने वाले लोकप्रिय संगीतकार एस पी वेंकटेश का मंगलवार को चेन्नई में उनके आवास पर दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। फिल्म उद्योग के एक सूत्र ने यह जानकारी दी। वह 70 वर्ष के थे।

वेंकटेश को मोहनलाल और ममूटी जैसे दिग्गज अभिनेताओं के साथ काम करने के लिए जाना जाता था। उन्होंने अपनी भावपूर्ण धुनों और दमदार पार्श्व संगीत के माध्यम से असंख्य प्रशंसकों को मंत्रमुग्ध किया।

उन्हें 'संगीतराजन' के नाम से जाना जाता था। पांच मार्च 1955 को जन्मे वेंकटेश, मंडोलिन वादक पझानी के पुत्र हैं। उन्होंने 1971 में संगीत निर्देशक विजय भास्कर के साथ फिल्मों में गिटार बजाना शुरू किया। उन्होंने कन्नड़, तेलुगु, तमिल और मलयालम फिल्मों में एक बहुमुखी संगीत निर्देशक के रूप में अपनी पहचान बनाई। उन्होंने 1985 में फ़िल्म 'जानकीय कोडथि' के माध्यम से मलयालम फ़िल्म उद्योग में संगीत निर्देशक के रूप में प्रवेश किया।

इसरो isro

भारत सरकार, अंतरिक्ष विभाग
भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो)
लिक्विड प्रोपल्शन सिस्टम्स सेंटर (एलपीएससी)
निर्माण एवं रखरखाव प्रभाग,
80फ़ीट रोड, एचएएल खख स्टेज, बेंगलूरु, फ़ोन नंबर: 080-25037203/ 080-25037214

दिनांक : 02.02.2026

संक्षिप्त ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, निम्नांकित कार्यों के लिए मद-दर निविदाएं आमंत्रित की जाती है।

क्र. सं.	कार्य का नाम एवं एनआईटी नं. एवं दिनांक	निविदा की अनुमानित लागत	ईएमडी	पूरा करने की अवधि
1	पुरानी ईबीडब्लू सुविधा, एलपीएससी(बी) परिसर, बेंगलूरु में एसी सिस्टम का नवीनीकरण निविदा क्र. : LPSC(B)/CMD/02/2037/AC/MI/031/2025-26 दिनांक : 02.02.2026	रु.19.23 लाख	रु.38,460/-	02 माह
2	एलपीएससी(बी) परिसर, बेंगलूरु में गगनयान रॉ मटीरियल स्टोर के लिए मौजूदा फोर्जिंग शेड का विस्तार निविदा क्र. : LPSC(B)/CMD/02/2038/C/MI/032/2025-26 दिनांक : 02.02.2026	रु.19.48 लाख	रु.38,960/-	02 माह
3	एलपीएससी(बी) परिसर, तुमकुरु में डीजी सिस्टम लोकेशन एरिया में साइट डेवलपमेंट का कार्य। निविदा क्र.LPSC(B)/CMD/02/2035/C/Re-tender/ MI/033/2025-26 दिनांक : 02.02.2026	रु.14.77 लाख	रु.29,540/-	45 दिन
4	एलपीएससी(बी) परिसर, बेंगलूरु /तूमकुरु में अलग-अलग फैसिलिटी के लिए नेम बोर्ड/डिस्प्ले बोर्ड/साइनबोर्ड लगाना। निविदा क्र.: LPSC(B)/CMD/03/3018/C/MI/035/2025-26 दिनांक : 02.02.2026	रु.6.14 लाख	रु.12,280/-	12 माह

निविदा प्रलेख डाउनलोड करने की अवधि	03.02.2026 के 18.30 बजे से 13.02.2026 के 23.59 बजे तक
बोली स्पष्टीकरण	03.02.2026 के 20.00 बजे से 16.02.2026 के 10.00 बजे तक
बोली स्पष्टीकरण का जवाब देने की अंतिम तारीख	17.02.2026 के 17.00 बजे तक
निविदा प्राप्ति की अंतिम तारीख और समय	18.02.2026 के 11.00 बजे तक
निविदा खोलने की नियत तारीख और समय	18.02.2026 के 11.30 बजे

इच्छुक निविदाकर्ता कृपया www.tenderwizard.com/ISRO देखें और साथ ही, पात्रता मानदंड और अन्य विवरणों के लिए विस्तृत टेंडर आमंत्रण नोटिस (छखढ) देखें, जिसे वेबसाइट www.isro.gov.in, www.lpsc.gov.in से डाउनलोड किया जा सकता है।

समूह प्रमुख - निर्माण एवं रखरखाव समूह-एलपीएससी(बी)

पुष्कर में राजनीतिक पोस्टर लगाने पर दो ब्रिटिश नागरिकों को भारत छोड़ने को नोटिस

जयपुर। राजस्थान पुलिस के अपराध जांच विभाग (सीआईडी) ने पुष्कर कस्बे में सार्वजनिक स्थानों पर राजनीतिक पोस्टर लगाने के आरोप में दो ब्रिटिश नागरिकों को भारत छोड़ो नोटिस जारी किया है। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार, 21 जनवरी को शहर भर में कई स्थानों पर इजराइल–फलस्तीन संघर्ष से संबंधित पोस्टर दिखने की रिपोर्ट मिलने के बाद इन दोनों के खिलाफ कार्रवाई की गयी है। इन कथित पोस्टर्स पर 'फलस्तीन को आजाद करो, इजराइल का बहिष्कार करो' जैसे संदेश लिखे थे। सीआईडी की एक टीम ने मामले की जांच की और इस गतिविधि में दो विदेशी पर्यटकों के शामिल होने का पता चला। पुलिस ने बताया कि दोनों पर्यटक वीजा पर भारत आए हैं।

पावरग्रिड चित्रदुर्गा बेल्लारी ट्रांसमिशन लिमिटेड

(पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी, भारत सरकार का एक उद्यम)

दक्षिणी क्षेत्र-II क्षेत्रीय मुख्यालय, सिंगनायकानहल्ली, येलहंका होबली, बेंगलुरु-560064

परिशिष्ट

पावरग्रिड चित्रदुर्गा बेल्लारी ट्रांसमिशन लिमिटेड (पहले चित्रदुर्गा बेल्लारी आरईजेड ट्रांसमिशन लिमिटेड के नाम से जाना जाता था) की 07.10.2025 को प्रकाशित सार्वजनिक सूचना का परिशिष्ट, नीचे दी गई स्कीम के लिए:

पारेषण योजना का नाम: कर्नाटक में दावणगेरे /चित्रदुर्गा और बेल्लारी आरईजेड के इंटीग्रेशन के लिए ट्रांसमिशन स्कीम।

इस योजना के तहत शामिल कार्य:

क्र. सं.	पारेषण योजना का दायरा
1.	कर्नाटक के दावणगेरे/चित्रदुर्गा के पास 765/400 केवी 4x1500 एमवीए, 400/200 केवी 4x500 एमवीए पूलिंग स्टेशन की स्थापना, जिसमें 400 केवी लेवल पर 4500 एमवीए के दो (2) सेक्शन और 220 केवी लेवल पर 2500 एमवीए के चार (4) सेक्शन का प्रावधान है।
2.	दावणगेरे/चित्रदुर्गा 765/400 केवी पीएस (~40 किमी) पर नरेन्द्रा न्यू-मधुगिरि 765 केवी डी/सी लाइन का एलआईएलओ (नरेन्द्रा न्यू-दावणगेरे खंड (~280 किमी) पर दोनों छोर पर 240 एमवीएआर एसएलआर और दावणगेरे-मधुगिरि खंड (~200 किमी) पर दावणगेरे छोर पर 330 एमवीएआर एसएलआर के साथ)
3.	दावणगेरे/चित्रदुर्गा पीएस में 2x330 एमवीएआर (765 केवी) बस रिएक्टर
4.	नरेन्द्रा न्यू – मधुगिरी 765 केवी डी/सी लाइन (जो अभी 400 केवी लेवल पर चार्ज है) को उसके रेटेड 765केवी वोल्टेज लेवल पर अपग्रेड करना।
5.	मधुगिरी {तुमकुर (वसंतनरसपुरा)} का अपग्रेडेशन उसके रेटेड वोल्टेज 765केवी लेवल तक, साथ में 3x1500एमवीए, 765/400केवी आईसीटी और 2X330एमवीएआर, 765केवी बस रिएक्टर के साथ।
6.	बेल्लारी क्षेत्र (बेल्लारी पीएस), कर्नाटक के पास 4x500एमवीए, 400/220केवी पूलिंग स्टेशन की स्थापना।
7.	बेल्लारी पीएस - दावणगेरे / चित्रदुर्गा 400 केवी (क्वाड एसीएसआर मूस) डी/सी लाइन
8.	बेल्लारी पीएस में 2x125 एमवीएआर 420 केवी बस रिएक्टर

I. दूसरे बुनियादी ढांचा परियोजनाएं का ओवरलैपिंग के कारण, दावणगेरे/चित्रदुर्गा 765/400 केवी लाइनों पर प्रस्तावित नरेन्द्रा न्यू – मधुगिरी 765 केवी डी/सी लाइन के एल आई एल ओ का मार्ग अलाइनमेंट {मौजूदा 765 केवी नरेन्द्रा (न्यू) - मधुगिरी (तुमकुर) लाइन से 765/400 केवी दावणगेरे पीएस (लाइन इन) तक एक नंबर डबल सर्किट (डी/सी) लाइन)} जिसे ऊपर बताई गई योजना के तहत शामिल किया गया था, उसे बदल दिया गया है और डी/सी लाइन का संशोधित मार्ग निम्नलिखित गांवों, कस्बों और शहरों से होकर गुजरेगा:

राज्य: कर्नाटक

गाँवों के नाम	तालुका	ज़िला
आलुरु, बेलेकट्टे (बेलिकट्टे) (बेलिकट्टी), बिश्राहल्ली, बाइलेटुम्बरगुद्धी (बयालुटुम्बरागुद्धी / ब्यलुधुम्बरा गुद्धी), चिक्का जोगिहल्ली (चिकजोगिहल्ली), चिक्का जोगिहल्ली थांडा (चिक्काजोगी थांडा), चिक्का कुंबलकुंटा (चिक्ककुंबलगुंटे), दासरोबनहल्ली, दुट्टलिंगनहट्टी (दुत्तलिंगनहट्टी), दासवनहल्ली, गोलारदोड्डी, गोलारहट्टी, गुंडुमुनुगु (गुंडुमडुगु), हरकाभावी (हरकाबावी), हिरेकुंबलकुंटा (हिरेकुंबलकुंटे / हिरेकुंबलगुंटे), हिरेकुंबलकुंटा गोलारहट्टी, होसहल्ली (होस्रल्ली), हुलिकेरे (हुलिकेरी / हुलकेरी), इमादापुर (एस इमादापुरा), अयिनहल्ली (एम बी अय्यानहल्ली) / मुगाबासप्पना अयिनहल्ली), जुट्टिलिंगायनाहल्ली, पेद्दावंका, रंगनाथनहल्ली, सिद्दापुरा, वड्डरहट्टी, कानुमाडुगु, कानुमाडुगु गोलारहट्टी, विरागोंडानहल्ली, जुम्मोबनहल्ली, कोलामाट्टी, सुरावनहल्ली (ए सुरव्वनहल्ली), माकानादुकु (माकानाडाकु), बोम्मनहल्ली, कुरिहट्टी, तुम्बरागुड्डी, वीरभद्र गुड़ी, सकलापुर	कुडलीगी	विजयनगरा
निम्बलगीरी (निम्बलगेरी)	कोट्टूरू	विजयनगरा
अणाबुरु, अनाबुरु आरक्षित वन, अणुबुरु गोलरहट्टी, आणेबेनकानाहल्ली, बग्गेनहल्ली, बिस्तुवल्ली (बिस्तुवाले), बुल्लानहल्ली (बुन्नाली), ब्याटेगरनहल्ली (ब्याटागरानहल्ली), ब्यारानायकनहल्ली (बैरानायकनहल्ली), चेन्नपुरा (चन्नपुरा/चन्नपुर), चिक्कम्मनहल्ली (चिक्कम्मनहट्टी), डोड्डा बोम्मनहल्ली, गांधीनगरा, गौडागोंडानहल्ली (गौडागोंडानहल्ली), गिद्दीनकट्टा (गिद्दनकट्टे), गोलारहट्टी, गोपागोंडानाहल्ली, गुड्डुगोबनहल्ली (गुडागोबनहल्ली) (गुडेगोबनहल्ली), हनुमंतपुर (सुल्लोबनहल्ली / (हनुमंतपुरा), हनुमंतपुरा गोलारहट्टी, हनुमव्वनगथिहल्ली (हनुमव्वनगतिहल्ली), हुचपलानाहल्ली (हुच्चपलानाहल्ली), जगलूर (जगलुरु), जयारामनहल्ली (जय रामनहल्ली), जोगीहल्ली, ज्योतिपुरा (ज्योतिपुरा/जोतिपुरा), कणकुप्पा (कणकुप्पे), पेटे कणकुप्पा, कसावनहल्ली, कस्तूरीपुरा, कट्टिगेहल्ली, केलागोटे (केल्लागोटे), केंचेनाहल्ली (केच्चेनाहल्ली), कोराटिकेरे, कुल्लोबनहल्ली, क्यासेनहल्ली, लक्केनहल्ली (लक्क्केनहल्ली), लंबानिहट्टी, मैदागिनकेरे (मेडेगीनाकेरे), महाराजारहट्टी (महाराजनहट्टी), मालम्मणहल्ली, पापेदेवराहल्ली, राजेनहट्टी, राजेनहट्टी गोलारहट्टी, रंगपुरा, गोगुद्दु, रस्ते माचिकेरे (रस्तेमाचिकेरे), रस्ते माकुंटे, रस्ते माकुंटे गोलारहट्टी, संते मुद्दापुरा, सोमनहल्ली, कुल्लोबनहल्ली, तमाडिहल्ली (तमलीहल्ली / तमलाहल्ली), वीरव्वनगथिहल्ली (वीरव्वनगतिहल्ली), व्यासगोंडानहल्ली (वैश्यगोंडानहल्ली), एर्रामल्लनहल्ली (यारामल्लनहल्ली), होसाकेरे, अय्यानहल्ली (अय्यनाहल्ली), लिंगअन्नानहल्ली, बुक्काराहल्ली, तंबत्तियाल्ली, जगलूर ग्रामीण, येरवनहल्ली, हिडिंगाट्यंता, कोरसरहट्टी।	जगलूर (जगलुरु)	दावनगेरे

II. दूसरे बुनियादी ढांचा परियोजनाएं का ओवरलैपिंग के कारण, दावणगेरे/चित्रदुर्गा 765/400 केवी लाइनों पर प्रस्तावित नरेन्द्रा न्यू – मधुगिरी 765 केवी डी/सी लाइन के एल आई एल ओ का मार्ग अलाइनमेंट {मौजूदा 765 केवी नरेन्द्रा (न्यू) - मधुगिरी (तुमकुर) लाइन से 765/400 केवी दावणगेरे पीएस (लाइन आउट) तक एक नंबर डबल सर्किट (डी/सी) लाइन)} जिसे ऊपर बताई गई योजना के तहत शामिल किया गया था, उसे बदल दिया गया है और डी/सी लाइन का संशोधित मार्ग निम्नलिखित गांवों, कस्बों और शहरों से होकर गुजरेगा:

राज्य: कर्नाटक

गाँवों के नाम	तालुका	ज़िला
आलुरु, बेलेकट्टे (बेलिकट्टे) (बेलिकट्टी), बिश्राहल्ली, बाइलेटुम्बरगुद्धी (बयालुटुम्बरागुद्धी / ब्यलुधुम्बरा गुद्धी), चिक्का जोगिहल्ली (चिकजोगिहल्ली), चिक्का जोगिहल्ली थांडा (चिक्काजोगी थांडा), चिक्का कुंबलकुंटा (चिक्ककुंबलगुंटे), दासरोबनहल्ली, दुट्टलिंगनहट्टी (दुत्तलिंगनहट्टी), दासवनहल्ली, गोलारदोड्डी, गोलारहट्टी, गुंडुमुनुगु (गुंडुमडुगु), हरकाभावी (हरकाबावी), हिरेकुंबलकुंटा (हिरेकुंबलकुंटे / हिरेकुंबलगुंटे), हिरेकुंबलकुंटा गोलारहट्टी, होसहल्ली (होस्रल्ली), हुलिकेरे (हुलिकेरी / हुलकेरी), इमादापुर (एस इमादापुरा), अयिनहल्ली (एम बी अय्यानहल्ली) / मुगाबासप्पना अयिनहल्ली), जुट्टिलिंगायनाहल्ली, पेद्दावंका, रंगनाथनहल्ली, सिद्दापुरा, वड्डरहट्टी, कानुमाडुगु, कानुमाडुगु गोलारहट्टी, विरागोंडानहल्ली, जुम्मोबनहल्ली, कोलामाट्टी, सुरावनहल्ली (ए सुरव्वनहल्ली), माकानादुकु (माकानाडाकु), बोम्मनहल्ली, कुरिहट्टी, तुम्बरागुड्डी, वीरभद्र गुड़ी, सकलापुर	कुडलीगी	विजयनगरा
निम्बलगीरी (निम्बलगेरी)	कोट्टूरू	विजयनगरा
अणाबुरु, अनाबुरु आरक्षित वन, अणुबुरु गोलरहट्टी, आणेबेनकानाहल्ली, बग्गेनहल्ली, बिस्तुवल्ली (बिस्तुवाले), बुल्लानहल्ली (बुन्नाली), ब्याटेगरनहल्ली (ब्याटागरानहल्ली), ब्यारानायकनहल्ली (बैरानायकनहल्ली), चेन्नपुरा (चन्नपुरा/चन्नपुर), चिक्कम्मनहल्ली (चिक्कम्मनहट्टी), डोड्डा बोम्मनहल्ली, गांधीनगरा, गौडागोंडानहल्ली (गौडागोंडानहल्ली), गिद्दीनकट्टा (गिद्दनकट्टे), गोलारहट्टी, गोपागोंडानाहल्ली, गुड्डुगोबनहल्ली (गुडागोबनहल्ली) (गुडेगोबनहल्ली), हनुमंतपुर (सुल्लोबनहल्ली / (हनुमंतपुरा), हनुमंतपुरा गोलारहट्टी, हनुमव्वनगथिहल्ली (हनुमव्वनगतिहल्ली), हुचपलानाहल्ली (हुच्चपलानाहल्ली), जगलूर (जगलुरु), जयारामनहल्ली (जय रामनहल्ली), जोगीहल्ली, ज्योतिपुरा (ज्योतिपुरा/जोतिपुरा), कणकुप्पा (कणकुप्पे), पेटे कणकुप्पा, कसावनहल्ली, कस्तूरीपुरा, कट्टिगेहल्ली, केलागोटे (केल्लागोटे), केंचेनाहल्ली (केच्चेनाहल्ली), कोराटिकेरे, कुल्लोबनहल्ली, क्यासेनहल्ली, लक्केनहल्ली (लक्क्केनहल्ली), लंबानिहट्टी, मैदागिनकेरे (मेडेगीनाकेरे), महाराजारहट्टी (महाराजनहट्टी), मालम्मणहल्ली, पापेदेवराहल्ली, राजेनहट्टी, राजेनहट्टी गोलारहट्टी, रंगपुरा, गोगुद्दु, रस्ते माचिकेरे (रस्तेमाचिकेरे), रस्ते माकुंटे, रस्ते माकुंटे गोलारहट्टी, संते मुद्दापुरा, सोमनहल्ली, कुल्लोबनहल्ली, तमाडिहल्ली (तमलीहल्ली / तमलाहल्ली), वीरव्वनगथिहल्ली (वीरव्वनगतिहल्ली), व्यासगोंडानहल्ली (वैश्यगोंडानहल्ली), एर्रामल्लनहल्ली (यारामल्लनहल्ली), होसाकेरे, अय्यानहल्ली (अय्यनाहल्ली), लिंगअन्नानहल्ली, बुक्काराहल्ली, तंबत्तियाल्ली, जगलूर ग्रामीण, येरवनहल्ली, हिडिंगाट्यंता, कोरसरहट्टी।	जगलूर (जगलुरु)	दावनगेरे

मार्ग संरेखण की प्रति नीचे अधोहस्ताक्षरी करने वाले के कार्यालय में उपलब्ध है। आम जनता को सूचित किया जाता है कि वे इस नोटिस के पब्लिकेशन की तारीख **(04/02/2026)** से दो महीने के अंदर प्रस्तावित ट्रांसमिशन सिस्टम पर अपनी राय/सुझाव लिखित रूप में नीचे अधोहस्ताक्षरी करने वाले के कार्यालय में दें।

अधिक जानकारी और स्पष्टीकरण के लिए कृपया संपर्क करें:
नाम: बी. श्रीधर
पदनाम: वरिष्ठ महाप्रबंधक (परियोजना-प्रभारी)
कार्यालय का पता: पावरग्रिड चित्रदुर्गा बेल्लारी ट्रांसमिशन लिमिटेड
दक्षिणी क्षेत्र-II क्षेत्रीय मुख्यालय, सिंगनायकानहल्ली, येलहंका होबली, बेंगलुरु-560064.
ईमेल आईडी: pcbrtl@powergrid.in, bsridhar@powergrid.in
कार्यालय दूरभाष सं.: 080-23093700 | **मोबाइल संख्या:** 9449596035

SR-II/PR-07/PN-Adn/2025-26/VICPL

एक महारत्न पीएसयू

भाजपा सरकार के कार्यकाल में समाज का हर तबका परेशान : गोविंद सिंह डोटासरा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। कांग्रेस की राजस्थान इकाई के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने राज्य की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार के दो साल के कार्यकाल पर कटाक्ष करते हुए मंगलवार को कहा कि मौजूदा सरकार में समाज का हर तबका परेशान है और उसकी कोई सुनने वाला नहीं है। डोटासरा ने कहा कि संवैधानिक संस्थाओं का दुरुपयोग इस सरकार की प्रमुख विशेषता रही है।

उन्होंने राजस्थान विधानसभा में राज्यपाल के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा में भाग लेने के दौरान यह टिप्पणी की। कांग्रेस नेता ने कहा, राज्यपाल का अभिभाषण केवल बीते 12 महीने में राज्य सरकार ने विभिन्न मदों पर क्या खर्च किया या आगे क्या खर्च करने वाली है.. उसके ही इर्द गिर्द रहा। कोई भी उपलब्धि इस अभिभाषण में नहीं थी। प्रदेश में भाजपा सरकार के दो साल के कार्यकाल पर कटाक्ष करते हुए डोटासरा ने कहा, इन दो साल में समाज का प्रत्येक वर्ग परेशान रहा है, कोई सुनने वाला नहीं हैं। उन्होंने कहा, संवैधानिक संस्थाओं का दुरुपयोग इस सरकार की प्रमुख विशेषता व प्रमुख उपलब्धि बनी है। कांग्रेस नेता ने पंचायती राज व नगरीय निकायों की परिसीमन प्रक्रिया को लेकर भी राज्य सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि

देश व राज्य के अब तक के इतिहास में शायद ही कभी परिसीमन की प्रक्रिया इतनी लंबी चली हो। डोटासरा ने दावा करते हुए कहा कि 31 मार्च से पहले सरकार ने पंचायती राज चुनाव नहीं करवाए तो 3,000 करोड़ रुपये स्वाहा हो जाएंगे और केंद्र सरकार वो पैसा नहीं देगी। सीकर से विधायक डोटासरा ने भाजपा सरकार पर यमुना जल समझौते में राजस्थान के हितों को हरियाणा के पास गिरवी रखने का आरोप भी लगाया। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने सरकार से सवाल करते हुए कहा, आपने कहा था कि यमुना का जल लाएंगे। मुख्यमंत्री ने फरवरी 2024 को इसके लिए करार एमओयू किया... राजस्थान के हितों पर कुठाराघात किया। राजस्थान के हितों को हरियाणा के पास गिरवी रख दिया। उन्होंने इसकी विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तक नहीं बनने का आरोप लगाते हुए कहा, यमुना का पानी डीपीआर से नहीं आएगा। जनता की आंखों में आंसू आ गए लेकिन यमुना का पानी नहीं आया। डोटासरा ने सरकारी स्कूलों के भवनों की जर्जर स्थिति, स्कूलों में नामांकन में गिरावट तथा शिक्षकों के तबादलों में कथित गड़बड़ी को लेकर भी राज्य सरकार पर निशाना साधा।

राजस्थान रोडवेज में एक और बड़े पैमाने पर 'धोखाधड़ी' का पर्दाफाश; सात और गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोटा। झालावाड़ पुलिस ने 'ऑपरेशन क्लीन राइड' के व्यापक विस्तार के तहत राजस्थान रोडवेज के भीतर बड़े पैमाने पर धोखाधड़ी का एक और पर्दाफाश करते हुए सात और लोगों को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि गिरफ्तारियों के इस नए दौर ने मुफ्त परीक्षा यात्रा योजना में एक सुनियोजित घोटाले का पर्दाफाश किया है। उन्होंने कहा कि यह एक ऐसा घटनाक्रम है जो बस परिचालकों को निशाना बनाने वाले एक पुराने रैकेट की चल रही जांच के दौरान सामने आया। सातों आरोपियों को रविवार को कोटा, अजमेर, बांसवाड़ा, जयपुर और झालावाड़ समेत विभिन्न जिलों से गिरफ्तार किया गया तथा उनकी पहचान दिनेश कुमार (44), राध्याश्याम (43), नरेंद्र टाक (56), शाहनवाज (33), उमेश पुरोहित (52), गिरीश जोशी (51) और अंकित गुर्जर (27) के रूप में हुई है। झालावाड़ के पुलिस अधीक्षक अमित कुमार ने कहा कि इस अभियान में पहले हुई गिरफ्तारियां कर्मचारियों से जबरन वसूली से संबंधित थीं, लेकिन इस नए चरण से पता चला है कि प्रतियोगी परीक्षा के उम्मीदवारों के लिए सरकारी योजना में किस तरह से हेराफेरी की जा रही थी।

निःशुल्क परीक्षा यात्रा योजना के तहत, परीक्षा से दो दिन पहले से लेकर परीक्षा के दो दिन बाद तक, उम्मीदवारों को प्रवेश पत्र दिखाने पर साधारण एक्सप्रेस बसों में निःशुल्क यात्रा करने का अधिकार है। पुलिस ने पाया कि कई अनुबंधित चालक और परिचालक अपने राजस्व लक्ष्य का 50 से 75 प्रतिशत हिस्सा मुफ्त यात्रा टिकटों के रूप में गलत तरीके से दर्ज कर रहे थे, जबकि यात्रियों से वसूला गया पूरा किराया वे अपनी जेब में डाल रहे थे। अधिकारी ने बताया कि वास्तविक राजस्व का केवल 25 से 50 प्रतिशत हिस्सा ही राजस्थान राज्य सड़क परिवहन निगम में जमा किया जा रहा था।

खांसी की दवा से हुई मौतों को लेकर विधानसभा में हंगामा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में खांसी की दवा (कफ सिरप) लेने से कथित तौर पर हुई मौतों के मुद्दे को लेकर मंगलवार को विधानसभा में हंगामा हुआ। राज्य सरकार ने कहा कि ये मौतें अधिक मात्रा में दवा लेने व अन्य बीमारियों (ओवरडोज और कोमोरबिडिटी) के कारण हुईं क्योंकि दवा बिना चिकित्सकीय सलाह के ली गई थी। प्रतिपक्ष ने प्रश्नकाल के दौरान यह मुद्दा उठाया। इसके बाद विधानसभा में सत्ता पक्ष और विपक्षी सदस्यों के बीच तीखी बहस हुई। इंसानों और जानवरों के बीच होने वाले संघर्ष में हुई मौतों का मुद्दा भी सदन में उठा जिसके बाद राज्य सरकार ने जंगली जानवरों के हमलों से होने वाली मानवीय मौतों के लिए मुआवजे को दोगुना करने के प्रस्ताव की घोषणा की। बाड़ी (धौलपुर) से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक जसवंत गुर्जर के एक सवाल के जवाब में वन मंत्री संजय शर्मा ने कहा कि सरकार ने जंगली जानवरों के हमलों से होने वाली मौतों के लिए मुआवजा पांच लाख रुपये से बढ़ाकर 10 लाख रुपये करने का फैसला किया है।

उन्होंने सदन को बताया कि बढ़े हुए मुआवजे को लागू करने के लिए संबंधित नियमों में संशोधन की प्रक्रिया फिलहाल चल रही है। वहीं, कांग्रेस ने अस्पतालों की ओपीडी में आने वाले मरीजों की संख्या में वृद्धि के बावजूद मुफ्त दवा योजना के तहत कम खर्च और अक्टूबर 2025 में सरकार द्वारा आपूर्ति की गई 'कफ सिरप' के सेवन से कथित तौर पर बच्चों की मौतों की खबरों को लेकर सरकार को घेरने की कोशिश की।

कांग्रेस विधायक हरिमोहन शर्मा और नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने इन मुद्दों पर सवाल किए। स्वास्थ्य मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर ने कांग्रेस नेताओं के सवालों का जवाब देते हुए कहा कि जिस दवा (कफ सिरप) की बात हो रही है वह सरकारी चिकित्सकों की सलाह पर नहीं ली गई। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा, अगर चिकित्सकों के प्रिस्क्रिप्शन(परामर्श) पर दवाएं दी जाती हैं और मौतें होती हैं तो जिम्मेदारी संबद्ध चिकित्सक व सरकार की होती है। लेकिन, अगर कोई बाहर से दवाएं लाता है और मौतें होती हैं, तो न तो चिकित्सक और न ही सरकार जिम्मेदार है।

खींवसर ने कहा कि 'कफ सिरप' मामले में ज्यादा मौतें नहीं हुई हैं। उन्होंने कहा कि दो से चार या पांच मौतों की सूचना है। उन्होंने कहा कि माता–पिता ने बिना चिकित्सकीय सलाह के बच्चों को खुद ही 'कफ सिरप' की खुराक दी थी। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि इस दवा में कोडीन जैसे रसायन होते हैं और कथित मौतें ओवरडोज और कोमोरबिडिटी के कारण हुईं। मंत्री ने यह भी कहा कि वही 'कफ सिरप' 2014 से इस्तेमाल में है जिसमें पिछली कांग्रेस सरकार का कार्यकाल भी शामिल है। इसके जवाब में जूली ने कहा कि कफ सिरप बनाने वाली कंपनी को कई जगहों पर काली सूची में डाला गया था। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या समय के साथ दवा की गुणवत्ता खराब हुई। इसके बाद सदन में नियमित कार्यवाही हुई।

प्रमुख सचिव एवं राज्य स्तरीय अधिकारियों ने लिया स्वास्थ्य सेवाओं का जायजा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल पर प्रदेश में चिकित्सा सुविधाओं को निरंतर सुदृढ़ बनाया जा रहा है। इस दिशा में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर के निर्देशन में स्वास्थ्य सेवाओं का मिशन मोड में निरीक्षण किया जा रहा है। विगत दिनों जिला प्रशासन की ओर से चिकित्सा संस्थानों सघन निरीक्षण किया गया था। इसी कड़ी में मंगलवार को प्रमुख शासन सचिव श्रीमती गायत्री राठौड़ सहित अन्य राज्य स्तरीय अधिकारियों ने चिकित्सा संस्थानों का ऑनलाइन निरीक्षण किया तथा प्रभारियों से संवाद किया।

प्रमुख शासन सचिव ने भीलवाड़ा के महात्मा गांधी अस्पताल, जिला अस्पताल नवलगढ़, झुंझुनूं तथा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, रायसिंह नगर, श्रीगंगानगर का वीडियो कॉल के माध्यम से निरीक्षण किया। उन्होंने दोपहर 12 बजे बाद वीडियो कॉल कर इन संस्थानों में चिकित्साकर्मियों की उपस्थिति, ओपीडी एवं आईपीडी में स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति, नि:शुल्क जांच एवं दवा के बारे में विस्तार से जानकारी ली। साथ ही, चिकित्सा संस्थानों में साफसफाई की स्थिति, उपकरणों की क्रियाशीलता आदि के बारे में जायजा लिया। उन्होंने संस्थान प्रभारियों एवं अन्य चिकित्सा कर्मियों से संवाद कर विभिन्न स्वास्थ्य सेवाओं के बारे में वस्तुस्थिति जानी। साथ ही, रोगियों से बात कर स्वास्थ्य सेवाओं के बारे में फीडबैक प्राप्त किया।

श्रीमती राठौड़ ने कहा कि राज्य सरकार सभी चिकित्सा संस्थानों में पेशेंट सेंट्रिक सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही हैं। सभी स्वास्थ्यकर्मी एवं अधिकारी इसी भावना के अनुरूप पूरी संवेदनशीलता और निष्ठा के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करे। अस्पताल में आने वाले रोगियों को उपचार में किसी तरह की परेशानी नहीं आए, इसका ध्यान रखा जाए। मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवा, संस्थागत प्रसव, टीकाकरण आदि मानकों को और बेहतर करने की दिशा में प्रयास किए जाएं। कैंसर व टीबी स्क्रीनिंग सहित अन्य रोगी की स्क्रीनिंग पर फोकस किया जाए। प्रभावी स्क्रीनिंग होने से से स्वास्थ्य मानकों को बेहतर करने में मदद मिलेगी। साथ ही, आमजन स्वस्थ्य जीवन शैली के प्रति जागरूक हो सकेंगे। श्रीमती राठौड़ ने कहा कि आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में योग एवं वैलनेस गतिविधियों सहित अन्य सेवाएं सुचारू रूप से उपलब्ध हों, ताकि लोगों को सामान्य उपचार के लिए शहरों में नहीं जाना पड़े। उन्हें घर के नजदीक ही गुणवत्तापूर्ण उपचार मिले। अस्पताल में उपलब्ध सभी संसाधनों, जांच मशीनों आदि का समुचित उपयोग सुनिश्चित हो। कोई भी जांच उपकरण खराब होने पर तत्काल प्रभाव से उसकी मेंटीनेंस सुनिश्चित की जाए। रोगियों को को गुणवत्तापूर्ण सेवाएं उपलब्ध करवाने के लिए क्यू मैनेजमेंट सिस्टम, हेल्प डेस्क, रामाश्रय वार्ड जैसे नवाचारों को अपनाया जाए।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के मिशन निदेशक डॉ. अमित यादव, अतिरिक्त मिशन निदेशक डॉ. टी. शुभमंगला, राजस्थान स्टेट हेल्थ एश्योरेंस एजेंसी की अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. निधि पटेल, निदेशक जनस्वास्थ्य डॉ. रवि प्रकाश शर्मा, निदेशक एड्स डॉ. सुशील परमार सहित अन्य अधिकारियों ने भी वीडियो कॉल कर स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति का जायजा लिया। संयुक्त निदेशक डॉ. सुनील सिंह ने बताया कि अधिकारियों ने झुंझुनूं, बांसवाड़ा, दौसा, नागौर, जयपुर, बीकानेर, खैरथलतिजारा, चित्तौड़गढ़, डीग, उदयपुर, बालोतरा, बाड़मेर, गंगानगर, भीलवाड़ा, सवाई माधोपुर एवं झालावाड़ जिलों के चिकित्सा संस्थानों का निरीक्षण किया। आनलाइन संवाद का यह क्रम आगे भी जारी रहेगा।

इंडिया स्टोनमार्ट 2026 आयोजन की तैयारियां तेज

जयपुर। इंडिया स्टोनमार्ट 2026 के आयोजन की तैयारियां तेज कर दी गई हैं। उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव (एसीएस) शिखर अग्रवाल ने मंगलवार को जेईसीसी पहुंचकर तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने आयोजन स्थल का भ्रमण कर अब तक की प्रगति की समीक्षा की और संबंधित अधिकारियों और एजेंसियों को तय समय से पूर्व कार्य पूरा करने के निर्देश दिए। अग्रवाल ने निरीक्षण के दौरान प्रदर्शनी हॉल, आगंतुक सुविधाएं, यातायात व्यवस्था, सुरक्षा प्रबंधन, लॉजिस्टिक प्लानिंग एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं को लेकर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने निर्देश दिए कि आयोजन के दौरान अंतरराष्ट्रीय स्तर के मानकों के अनुरूप सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं, ताकि देश–विदेश से आने वाले उद्योग प्रतिनिधियों, व्यापारियों और निवेशकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी से लेकर कौशल विकास तक समाज के युवाओं को मिला सशक्त मंच

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के संवेदनशील, दूरदर्शी और कुशल नेतृत्व में प्रदेश का अति पिछड़ा वर्ग (एमबीसी) आत्मनिर्भरता और स्वावलंबन की मजबूत राह पर अग्रसर है। राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं और ठोस नीतियों के परिणामस्वरूप अति पिछड़ा वर्ग के हजारों परिवार न केवल विकास की मुख्यधारा से जुड़ रहे हैं, बल्कि शिक्षा, रोजगार, संबल और सम्मान के जरिए सामाजिक न्याय के नए आयाम भी स्थापित कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री शर्मा के नेतृत्व में अति पिछड़ा वर्ग के शैक्षणिक उत्थान के लिए देवनारायण योजना के अंतर्गत संचालित कार्यक्रमों पर वर्ष 2025 में 248 करोड़ रुपए से अधिक की राशि व्यय की जा चुकी है। उत्तर मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना के तहत कक्षा 11 से उच्च शिक्षा तक के विद्यार्थियों के लिए इस वित्तीय वर्ष में 102.42 करोड़ रुपए से अधिक की राशि व्यय कर 37 हजार से ज्यादा विद्यार्थियों को लाभान्वित किया गया है। वहीं पूर्व मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना (कक्षा 6 से 10) में 7.10 करोड़ रुपए व्यय कर 69 हजार से अधिक विद्यार्थियों को सहायता दी गई है। देवनारायण गुरुकुल योजना के तहत निजी प्रतिष्ठित विद्यालयों में प्रवेश दिलाकर प्रतिभावान विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध करवाई जा रही है। इसी तरह देवनारायण छात्रावास योजना के अंतर्गत स्वीकृत छात्रावासों में 3750 विद्यार्थी तथा देवनारायण आवासीय विद्यालय योजना के तहत स्वीकृत विद्यालयों में 5 हजार से अधिक विद्यार्थी लाभान्वित हो रहे हैं।

ओडिशा: सामूहिक विवाह योजना के तहत 201 जोड़ों ने शादी की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ब्रह्मपुर/भाषा। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने मंगलवार को एक सामूहिक विवाह समारोह में कुल 201 जोड़ों को आशीर्वाद दिया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने गरीब परिवारों की कन्याओं के सामूहिक विवाह के लिए एक प्रमुख योजना 'मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना' को आरंभ किया और इस बात पर जोर दिया कि उनकी सरकार महिलाओं की गरिमा की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। सामूहिक विवाह कार्यक्रम गंजाम जिले के पुरुषोत्तमपुर गांव में प्रसिद्ध मां तारातारिणी मंदिर के पास आयोजित किया गया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने गरीब परिवारों को अपनी बेटियों की शादी कराने में आने वाली समस्याओं को ध्यान में रखते हुए यह योजना शुरू की है। मुख्यमंत्री ने कहा, इस योजना के शुरू होने से कोई भी गरीब आदमी अपनी बेटी को बोझ नहीं समझेगा। सभी को अपनी बेटियों पर गर्व होना चाहिए क्योंकि वे राज्य और देश का नाम रोशन कर रही हैं और हर क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रही हैं। माझी ने बताया कि इस योजना के तहत डीबीटी के माध्यम से महिलाओं के बैंक खातों में 35,000 रुपए हस्तांतरित किए जा चुके हैं। माझी ने बताया कि इस योजना के तहत सामूहिक विवाह आयोजित करने के लिए वित्त वर्ष 2025-26 में 59 करोड़ रुपए की राशि आवंटित की गई है।

उन्होंने कहा कि 18 से 35 वर्ष आयु वर्ग की महिलाएं और 21 से 35 वर्ष आयु वर्ग के पुरुष इस योजना का लाभ उठा सकते हैं। इस योजना में विधवा पुनर्विवाह को भी प्रोत्साहित किए जाने का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आर्थिक रूप से पिछड़े परिवारों की युवतियों के विवाह कराने का उद्देश्य दहेज जैसी सामाजिक बुराइयों को समाप्त करना और समाज में महिलाओं के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण को बढ़ावा देना है।

राजग को अनेक चुनावों में जीत पर संतुष्ट होकर नहीं बैठ जाना चाहिए : प्रधानमंत्री मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के नेताओं से मंगलवार को कहा कि गठबंधन अपनी जन-केंद्रित नीतियों एवं कड़ी मेहनत की वजह से विभिन्न चुनाव जीत रहा है और उसके नेताओं को चुनावी विजय को लेकर आत्मसंतुष्टि की भावना से बचना चाहिए।

संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने राजग संसदीय दल की बैठक के बाद संवाददाताओं से कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने राजग के घटक दलों के सांसदों से कहा कि उन्हें स्थानीय निकाय समेत विभिन्न चुनावों में अपनी जीत से संतुष्ट होकर नहीं बैठ जाना चाहिए, बल्कि अच्छा काम करते रहना चाहिए।

राजग नेताओं ने 39 देशों के साथ व्यापार समझौते सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए बैठक में प्रधानमंत्री मोदी का सम्मान किया। भारत और अमेरिका के व्यापार समझौते पर सहमत होने का जिक्र करते हुए रीजीजू ने कहा कि पूरे देश में इसे लेकर उत्साह का माहौल है। इसके तहत अमेरिका भारतीय उत्पादों पर शुल्क को मौजूदा 25 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत कर देगा। उन्होंने कहा, ''सांसदों में इस बात को लेकर उत्साह है कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में ये व्यापार समझौते पूरे हुए हैं। कुल 39 देशों के साथ व्यापार समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए हैं। यह ऐतिहासिक है। ये सभी 39 देश विकसित देश हैं...यह ऐतिहासिक है। देश में बहुत अच्छा माहौल रहा है।''

शिवसेना सांसद मिलिंद देवड़ा ने कहा, प्रधानमंत्री मोदी ने सभी सांसदों को समझाया कि सरकार भारत के पक्ष में काम करती है, चाहे वह व्यापार समझौता हो या बजट। उन्होंने कहा, भारत और अमेरिका तथा भारत-यूरोप के बीच व्यापार समझौते का श्रेय प्रधानमंत्री मोदी को जाता है। यह उनके दृढ़ संकल्प की वजह से हुआ है। व्यापार समझौते से छोटे कारोबारियों को फायदा होगा।''

मिजोरम सरकार स्वास्थ्य क्षेत्र को प्राथमिकता दे रही : मुख्यमंत्री लालदुहोमा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

आइजोल/भाषा। मिजोरम के मुख्यमंत्री लालदुहोमा ने मंगलवार को कहा कि उनकी सरकार ने स्वास्थ्य क्षेत्र को प्राथमिकता दी है और राज्य भर में चिकित्सा बुनियादी ढांचे को बढ़ाने के लिए बड़े पैमाने पर प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने मिजोरम सार्वभौमिक स्वास्थ्य देखभाल योजना (एमयूएचसीएस) की सफलता की सराहना की और कहा कि इस कार्यक्रम ने निर्बाध, नकदरहित उपचार प्रणाली के माध्यम से रोगी देखभाल में क्रांति ला दी है।

अधिकारियों के अनुसार, पिछले साल मार्च में शुरू की गई इस योजना ने अब तक लक्षित नामांकन का 91 प्रतिशत हासिल कर लिया है। इसकी वजह से राज्य को राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण की ओर से बेस्ट परफॉर्मेंस इन अचीविंग कार्ड सैचुरेशन' का राष्ट्रीय पुरस्कार मिला है। आइजोल में दो दिवसीय 'नॉलेज एक्सचेंज हेल्थ कॉन्क्लेव' का उद्घाटन करते हुए, लालदुहोमा ने इस बात की पुष्टि की कि नागरिकों का स्वास्थ्य मिजोरम की प्रगति का आधार बना हुआ है, और राज्य के चिकित्सा बुनियादी ढांचे के लिए उच्च प्राथमिकता की स्थिति पर जोर दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा, सरकार स्वास्थ्य सेवा को समग्र विकास का एक प्रमुख आधार मानती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सूचीबद्ध अस्पतालों के माध्यम से नकद-रहित इलाज की ओर हुआ बदलाव एक बड़ी सफलता है।

'चिकन नेक' के साथ भूमिगत रेल लिंक पूर्वोत्तर के लिए सुरक्षित मार्ग सुनिश्चित करेगा : हिमंत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि पश्चिम बंगाल के रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण 'चिकन नेक' गलियारे के साथ प्रस्तावित भूमिगत रेल लिंक पूर्वोत्तर को जोड़ने वाला एक सुरक्षित परिवहन मार्ग सुनिश्चित करेगा।

उन्होंने कहा कि 1971 के बाद इस संकरी पट्टी की सुरक्षा पर ध्यान दिया जाना चाहिए था। शर्मा ने पोस्ट में कहा, यह बहुत महत्वपूर्ण है। दशकों से 'चिकन नेक' का इस्तेमाल हमारी सीमाओं के भीतर व बाहर दोनों जगह राष्ट्र-विरोधी ताकतों द्वारा डराने-धमकाने की रणनीति के रूप में किया जाता रहा है। प्रस्तावित भूमिगत रेल लिंक एक महत्वपूर्ण रणनीतिक सफलता है, जो पूर्वोत्तर और देश के शेष भाग के बीच एक सुरक्षित व पुख्ता परिवहन गलियारा तैयार करेगी। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सोमवार को कहा था कि 40 किलोमीटर लंबे रणनीतिक गलियारे के साथ भूमिगत रेलवे ट्रैक बिछाने और मौजूदा ट्रैक को चार लेन का बनाने की योजना पर काम जारी है। यह रणनीतिक गलियारा, जिसे अपनी आकृति के कारण 'चिकन नेक' कहा जाता है, प. बंगाल के सिलिगुड़ी क्षेत्र में स्थित एक भू-खंड है, जिसकी चौड़ाई 20 किमी. से अधिक है। यह भू-खंड नेपाल और बांग्लादेश के बीच संकुचित है, जबकि भूटान व चीन इससे कुछ सौ किलोमीटर दूर है। शर्मा ने प्रधानमंत्री और वैष्णव को इस फैसले के लिए धन्यवाद देते हुए कहा, हम इस दीर्घकालिक रणनीतिक कमजोरी को दूर करने की दिशा में एक बड़ा कदम उठा रहे हैं।

पाकिस्तान और चीन की तरह व्यवहार कर रहे हैं राहुल

ममता को जेल में डाल देना चाहिए : गिरिराज

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने लोकसभा में पूर्व थलसेना प्रमुख जनरल नरवणे के संस्मरण का हवाला देने के प्रयासों को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर तीखा हमला बोला और कहा कि वह पाकिस्तान और चीन की तरह व्यवहार कर रहे हैं । सिंह ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर भी निशाना साधा और कहा कि कोलकाता में हाल ही में आई-पैक के परिसरों से धनशोधन मामले के सबूत कथित तौर पर अपने साथ ले जाने के लिए उन्हें जेल भेजा जाना चाहिए।

पीटीआई वीडियो को दिए साक्षात्कार में सिंह ने लोकसभा में राहुल द्वारा भारत-चीन सीमा मुद्दे पर बात करने पर अड़े रहने पर सवाल उठाए और कहा कि संसदीय इतिहास में संभवत: ऐसा पहली बार हुआ है जब एक सदस्य ने लोकसभा अध्यक्ष के आदेश का पालन करने से इनकार कर दिया। सिंह ने कहा, क्या उनके (राहुल गांधी) एनजीओ को संसद के अंदर और बाहर भारतीय सेना और देश का अपमान करने के लिए चीन से पैसा मिला है?

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सदन नियमों, कानूनों और व्यवस्था के तहत चलना चाहिए और लोकसभा अध्यक्ष भी कानून के तहत बाध्य हैं। सिंह ने कहा, संसदीय इतिहास में ऐसा संभवत: पहली बार हुआ है कि पांच बार निर्देश दिए जाने के बावजूद उन्होंने (राहुल गांधी) बात नहीं मानी। वह मूर्ख नहीं हैं। भाजपा नेता ने कहा कि राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा होनी है और वह देश की सेना का मनोबल गिराने वाली बात कर रहे हैं। सिंह ने नेता प्रतिपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि वह पाकिस्तान और चीन की तरह व्यवहार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें (राहुल गांधी) यह बताना चाहिए कि वह चीनी दूतावास क्या करने गए थे।

ममता बनर्जी एसआईआर जैसे मुद्दों पर ओछी राजनीति कर रही हैं : शुभेंदु अधिकारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने मंगलवार को मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) जैसे मुद्दों पर 'ओछी राजनीति' करने का आरोप लगाया और कहा कि बड़ी संख्या में युवा रोजगार के अवसरों के लिए 'पलायन' कर रहे हैं।

भाजपा के वरिष्ठ नेता शुभेंदु, पार्टी की युवा शाखा द्वारा आयोजित एक रैली में उपस्थित लोगों को संबोधित कर रहे थे। रैली में बंगाल के युवाओं के लिए रोजगार के अवसरों की मांग की गई। अधिकारी ने कहा, यह रैली हजारों युवाओं के लिए स्थायी सरकारी नौकरियों की मांग को लेकर चलाए जा रहे राज्यव्यापी अभियान का हिस्सा है। इस रैली में भाग लेने वाले सभी लोग मुख्यमंत्री को पत्र लिखेंगे। मैं उनकी मांग का समर्थन करने के लिए यहां हूं। कोलकाता के अलीपुर स्थित राष्ट्रीय पुस्तकालय के द्वार के सामने सैकड़ों प्रदर्शनकारी जमा हुए और उन्होंने नियोग चाई, भाजपा ताई (भर्ती हमारी मांग, हमें भाजपा चाहिए) जैसे नारे लगाए।

अधिकारी ने एसआईआर जैसे मुद्दों को लेकर बनर्जी पर ओछी राजनीति का आरोप लगाते हुए कहा कि मुख्यमंत्री ने कर्मचारी बैंक बनाने और नामांकित लोगों को 1,500 रुपए देने की घोषणा की थी लेकिन पहले दो बार भुगतान करने के बाद इसे रद्द कर दिया गया। अधिकारी ने दावा किया, कोविड-19 वैश्विक महामारी के दौरान यह बात सामने आई कि आठ लाख युवा नौकरी की तलाश में बंगाल से बाहर चले गए। मुख्यमंत्री अपने ही कुछ मंत्रियों और अधिकारियों द्वारा बड़े पैमाने पर किए गए भ्रष्टाचार के कारण शिक्षित युवाओं को रोजगार और शिक्षकों की नौकरी की गारंटी भी नहीं दे सकीं।

ईडी ने पश्चिम बंगाल-झारखंड में कोयला माफिया मामले में नए सिरे से छापे मारे

कोलकाता/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने झारखंड और पश्चिम बंगाल में सक्रिय कोयला माफिया के खिलाफ धनशोधन की जांच के तहत मंगलवार को पश्चिम बंगाल तथा दिल्ली में कई स्थानों पर नए सिरे से छापे मारे। एजेंसी के अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के साथ ईडी के दलों ने सुबह करीब साढ़े छह बजे से दिल्ली, कोलकाता, आसनसोल, दुर्गापुर और पश्चिम बर्द्धमान जिले के अन्य हिस्सों में परिसरों की तलाशी लेनी शुरू की। जिन स्थानों की तलाशी ली गई, उनमें आसनसोल स्थित बुदबुद पुलिस थाने के नवनियुक्त प्रभारी अधिकारी (ओसी) मनोरंजन मंडल का आवास भी शामिल है।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, ''ये तलाशी अभियान अवैध रेत और कोयले के व्यापार मामले की जांच से जुड़े हैं।'' मंडल को पिछले साल भ्रष्टाचार के आरोपों के बाद निलंबित कर दिया गया था और उस वक्त वह बाराबनी पुलिस थाने में तैनात थे। बाद में उन्हें आसनसोल पुलिस विशेष शाखा से संबद्ध कर दिया गया था।

एसआईआर 'पीड़ितों' को अपना बचाव करने का अवसर नहीं दिया जा रहा : ममता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को आरोप लगाया कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) से प्रभावित लोगों को अपना बचाव करने का अवसर नहीं दिया जा रहा और विधानसभा चुनावों से ठीक पहले राज्यों में इस प्रक्रिया को लेकर सवाल उठाया।

बंगाल में एसआईआर 'पीड़ितों' के साथ यहां संवाददाता सम्मेलन में उन्होंने कहा कि वे उन कई अन्य लोगों का प्रतिनिधित्व करते हैं जिन्हें इस प्रक्रिया के कारण नुकसान उठाना पड़ा। बनर्जी ने दिल्ली में संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''हमारे पीछे बैठे सभी लोग एसआईआर के पीड़ित हैं। मैं यहां लाखों लोगों को ला सकती थी।'' तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सुप्रीमो ने आरोप लगाया, वे एसआईआर पीड़ितों को अपना बचाव करने का मौका नहीं दे रहे हैं।

सोमवार को तृणमूल कांग्रेस प्रमुख और अन्य नेता इनमें से कुछ लोगों को लेकर एसआईआर मुद्दे पर मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार से मुलाकात के लिए पहुंचे थे, लेकिन बनर्जी बाद में विरोध जताते हुए बैठक से बीच में ही बाहर निकल गईं और दावा किया कि उनके प्रतिनिधिमंडल का अपमान हुआ है। उन्होंने निर्वाचन आयोग पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के इशारे पर काम करने का भी आरोप लगाया।

एसआईआर के समय पर सवाल उठाते हुए बनर्जी ने मंगलवार को सवाल किया कि विधानसभा चुनाव से ठीक पहले यह प्रक्रिया क्यों की जा रही है।

तोगड़िया ने असम में अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों की पहचान के लिए डीएनए परीक्षण की मांग की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

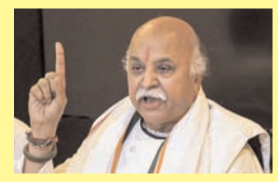

गुवाहाटी/भाषा। अंतरराष्ट्रीय हिंदू परिषद (एएचपी) के अध्यक्ष प्रवीण तोगड़िया ने असम में अवैध बांग्लादेशियों की पहचान के लिए डीएनए परीक्षण की मंगलवार को मांग की।

एएचपी अध्यक्ष तोगड़िया ने कहा कि अगर सरकार में इच्छाशक्ति हो, तो चाहे उसका नेतृत्व कोई भी पार्टी कर रही हो, अवैध प्रवासियों का पता लगाया जा सकता है। उन्होंने संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''हम मांग करते हैं कि 'मियां' समुदाय के लोगों की नागरिकता पात्रता निर्धारित करने के लिए डीएनए परीक्षण किए जाएं। 1951 की मतदाता सूची उपलब्ध है। इसके आधार पर वंश का पता लगाया जाए और डीएनए का मिलान किया जाए।''

असम में बांग्ला भाषी मुसलमानों को मियां कहा जाता है, और गैर-बंगाली भाषी लोग आमतौर पर उन्हें बांग्लादेशी प्रवासी मानते हैं।

तोगड़िया ने दावा किया कि इन परीक्षणों में दो से तीन घंटे लगते हैं, और इस तरह की प्रक्रिया के लिए मशीनों की कोई कमी नहीं है।

बिहार : जननायक कर्पूरी ठाकुर किसान सम्मान निधि की घोषणा

पटना/भाषा। बिहार सरकार ने किसानों को बड़ी राहत देते हुए जननायक कर्पूरी ठाकुर किसान सम्मान निधि योजना की औपचारिक घोषणा कर दी है। राज्य विधानसभा में मंगलवार को बजट पेश करते हुए वित्त मंत्री बिजेंद्र प्रसाद यादव ने कहा कि अब राज्य के किसानों को केंद्र सरकार की प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के साथ-साथ बिहार सरकार की ओर से सालाना 3,000 रुपए अतिरिक्त दिए जाएंगे।

यादव ने बताया कि इस योजना के तहत दी जाने वाली राशि किसानों के बैंक खातों में प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के माध्यम से भेजी जाएगी, ताकि किसी भी प्रकार की बिचौलिया व्यवस्था न रहे और लाभ सीधे वास्तविक किसानों तक पहुंचे। उन्होंने कहा कि अब तक किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत सालाना 6,000 रुपए मिलते थे, लेकिन राज्य सरकार की इस नई पहल से कुल सहायता राशि और मजबूत होगी। अर्थशास्त्री डॉ. सुधांशु कुमार ने कहा कि जननायक कर्पूरी ठाकुर किसान सम्मान निधि की घोषणा राजनीतिक और आर्थिक, दोनों ही दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण है।

भाजपा जवाब दे, किसके दबाव में फिर किसानों पर वार किया : अखिलेश यादव

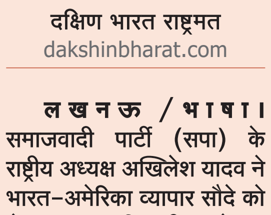

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भारत-अमेरिका व्यापार सौदे को लेकर सरकार की कड़ी आलोचना करते हुए मंगलवार को कहा कि अमेरिकी कृषि उत्पादों के लिए भारतीय बाजारों को खोलना देश की लगभग 70 प्रतिशत आबादी के साथ ''विश्वासघात'' है, जो खेती पर निर्भर है।

यादव ने मंगलवार को 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने फिर किया 'किसानों' पर वार, भाजपा सरकार दे जवाब, क्या है दबाव।'' उन्होंने आरोप लगाया, ''भारत के बाजार को अमेरिकी कृषि उत्पादों व खाद्यान्नों के लिए खोल देना, हमारे देश की खेती-किसानी पर रोज़ी-बसर करने वाली 70 प्रतिशत आबादी के साथ धोखा है।'' सत्तारूढ़ पार्टी पर निशाना साधते हुए यादव ने दावा किया, ''भाजपाई और उनके संगी-साथी आजादी से पहले भी विदेशियों के एजेंट थे, आज भी हैं। आत्मनिर्भरता और स्वदेशी की बात करने वाले भाजपाई और उनके संगी-साथी जनता के बीच जाकर बताएं कि उन्होंने देश की अर्थव्यवस्था के साथ धोखा करने के लिए कितना 'कमीशन' खाया है।''

उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने आशंका जताते हुए कहा, ''इससे केवल किसान ही नहीं, निम्न मध्यवर्ग और मध्यम वर्ग भी बुरी तरह प्रभावित होगा क्योंकि इससे खाद्यान्न और कृषि उत्पादों की मुनाफ़ाखोरी व बिचौलियों की एक नई जमात पैदा हो जाएगी, जिसकी वजह से खाने-पीने की सब चीज़ें और भी महंगी हो जाएंगी। साथ ही भाजपा इन कंपनियों से चंदा वसूली भी करेगी, जिससे खाद्य व कृषि उत्पाद और भी ज़्यादा महंगे हो जाएंगे।''

संपूर्ण, समावेशी और विकास को बढ़ावा देने वाला है बिहार का बजट : नीतीश कुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

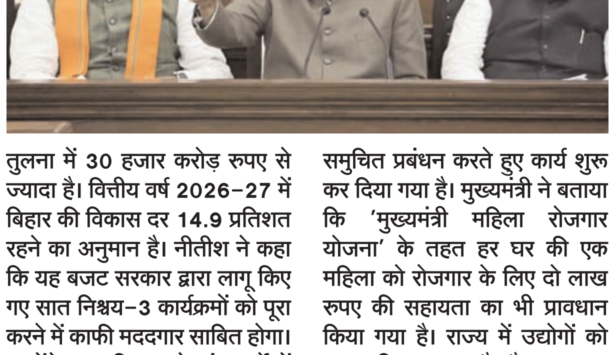

पटना/भाषा। बिहार विधानमंडल में वित्त मंत्री बिजेंद्र प्रसाद यादव द्वारा मंगलवार को पेश किए गए वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि यह बजट विकसित बिहार के संकल्प को पूरा करने वाला है। उन्होंने कहा कि न्याय के साथ विकास के सिद्धांत पर आधारित इस बजट में सभी क्षेत्रों के साथ-साथ किसानों, उद्यमियों, युवाओं और महिलाओं सहित समाज के सभी वर्गों का ध्यान रखा गया है।

नीतीश ने कहा कि यह एक संपूर्ण, समावेशी और विकास को बढ़ावा देने वाला बजट है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस वर्ष बिहार का बजट तीन लाख 47 हजार करोड़ रुपए से अधिक का है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 30 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा है। वित्तीय वर्ष 2026-27 में बिहार की विकास दर 14.9 प्रतिशत रहने का अनुमान है। नीतीश ने कहा कि यह बजट सरकार द्वारा लागू किए गए सात निश्चय-3 कार्यक्रमों को पूरा करने में काफी मददगार साबित होगा। उन्होंने कहा कि अगले पांच वर्षों में बिहार के एक करोड़ युवाओं को नौकरी और रोजगार देने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है और इसके लिए राज्य में वित्तीय संसाधनों का समुचित प्रबंधन करते हुए कार्य शुरू कर दिया गया है। मुख्यमंत्री ने बताया कि 'मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना' के तहत हर घर की एक महिला को रोजगार के लिए दो लाख रुपए की सहायता का भी प्रावधान किया गया है। राज्य में उद्योगों को बढ़ावा दिया जा रहा है और यह बजट प्रत्येक परिवार को अवसर प्रदान करने, युवाओं के कौशल विकास तथा महिलाओं के सशक्तीकरण के उद्देश्यों को पूरा करेगा।

'आंकड़ों की बाजीगरी' है बिहार का बजट : रोहिणी आचार्य

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार विधानमंडल में मंगलवार को वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए पेश किए गए बजट पर राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव की बेटी रोहिणी आचार्य ने तीखा तंज कसते हुए इसे आंकड़ों की बाजीगरी करार दिया और कहा कि यह राज्य की वास्तविक जरूरतों से कोसों दूर है।

रोहिणी आचार्य ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर अपने एक पोस्ट में बजट पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि सरकार हर साल बड़े-बड़े आंकड़ों के साथ बजट पेश करती है, लेकिन हकीकत यह है कि राज्य के बजट का बड़ा हिस्सा खर्च ही नहीं हो पाता। उन्होंने कहा कि आर्थिक विकास के साथ-साथ मानव विकास सूचकांकों पर गंभीरता से काम करना आज बिहार की सबसे बड़ी जरूरत है, लेकिन प्रस्तुत बजट इस बुनियादी सवाल पर पूरी तरह मौन है। उन्होंने कहा कि केवल सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) या निवेश के आंकड़े गिनाने से आम लोगों की जिंदगी नहीं बदलती, जब तक शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और सामाजिक समानता जैसे क्षेत्रों में ठोस सुधार नजर न आएं।

आचार्य ने 'डबल इंजन सरकार' के दावों पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि नीति निर्धारकों को शायद यह भ्रम है कि विकास का ढिंढोरा हमेशा पीटा जा सकता है, लेकिन यदि लोगों को उनके अधिकार के रूप में बुनियादी सेवाएं नहीं मिलेंगी, गैर-बराबरी की खाई कम नहीं होगी और बिहार से श्रम शक्ति का पलायन लगातार जारी रहेगा, तो ये दावे अपने आप दम तोड़ देंगे। उन्होंने चेताया कि विकास की कहानी तभी टिकाऊ होगी, जब उसका असर गांव, गरीब और मजदूर तक पहुंचे। राज्य की आर्थिक स्थिति का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि प्रति व्यक्ति आय के मामले में बिहार आज भी देश के सबसे पिछड़े राज्यों में शामिल है। हाल ही में जारी आर्थिक सर्वेक्षण रिपोर्ट के आंकड़ों का जिक्र करते हुए उन्होंने दावा किया कि पिछले दो वर्षों से राज्य की विकास दर में गिरावट दर्ज की जा रही है।

आचार्य ने कहा कि पिछले दस वर्षों में लगभग 250 कारखाने बिहार से अन्य राज्यों में स्थानांतरित हो चुके हैं, जो औद्योगिक माहौल को लेकर सरकार के दावों और जमीनी हकीकत के बीच गहरी खाई को दर्शाता है।

सुविचार

मन की संतुष्टि के लिए अच्छे कर्म करो लोग तारीफ करें या ना करें लेकिन भगवान तो देखता है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

प्लास्टिक प्रदूषण से मुक्ति कब?

'द लांसेट प्लैनेटरी हेल्थ' में प्रकाशित एक अध्ययन ने महत्त्वपूर्ण मुद्दे की ओर सबका ध्यान आकर्षित किया है। आज प्लास्टिक के कारण होने वाले प्रदूषण का स्तर काफी बढ़ गया है। इससे मानव स्वास्थ्य के अलावा पर्यावरण को भी नुकसान हो रहा है। शोधकर्ताओं का यह अनुमान एक गंभीर समस्या की ओर संकेत दे रहा है कि 'वैश्विक प्लास्टिक प्रणाली के कारण स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रतिकूल प्रभाव के मामले साल 2016 की तुलना में साल 2040 में दोगुने से भी ज्यादा हो जाने की आशंका है।' प्लास्टिक को आधुनिक जीवन की सुविधा का प्रतीक माना जाता है। इसका जीवन चक्र बहुत जटिल होता है। इसका आसानी से क्षरण नहीं होता। यह वर्षों तक उसी स्थिति में रहता है। प्लास्टिक का अधिकांश हिस्सा एकल उपयोग के लिए बनाया जा रहा है। पैकेजिंग, बोतलों और बैग के तौर पर इस्तेमाल होने वाला प्लास्टिक कुछ घंटों के बाद अनुपयोगी हो जाता है। इसे जलाने पर विषैली गैसें निकलती हैं, जो स्वास्थ्य के लिए गंभीर चुनौतियां पैदा कर सकती हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन पहले ही चेतावनी दे चुका है कि प्लास्टिक प्रदूषण से जुड़े रसायन मानव शरीर में प्रवेश कर रहे हैं। यही नहीं, समुद्री जीवों के लिए भी प्लास्टिक एक खतरा बन चुका है। कई लोग तटवर्ती इलाकों में जश्न मनाने जाते हैं और वहां प्लास्टिक कचरा बिखेर देते हैं। उन्हें इस बात की परवाह नहीं होती कि यह कचरा समुद्र में जाकर कई जीवों के अस्तित्व के लिए खतरा बन सकता है। समुद्री जीवों में माइक्रोप्लास्टिक के अंश से पता चलता है कि अब खतरा थल और जल, दोनों जगह है।

यह एक वैश्विक समस्या है, जिसका समाधान भारत कर सकता है। याद करें, अस्सी और नब्बे के दशक तक पत्तलों का काफी चलन था। क्या आज प्लास्टिक की प्लेटों की जगह पत्तलों की वापसी नहीं हो सकती? उन्हें आधुनिक तकनीक की मदद से और बेहतर एवं आकर्षक बनाया जा सकता है।

यह एक वैश्विक समस्या है, जिसका समाधान भारत कर सकता है। याद करें, अस्सी और नब्बे के दशक तक पत्तलों का काफी चलन था। क्या आज प्लास्टिक की प्लेटों की जगह पत्तलों की वापसी नहीं हो सकती? उन्हें आधुनिक तकनीक की मदद से और बेहतर एवं आकर्षक बनाया जा सकता है। वे हर स्थिति में प्लास्टिक की प्लेटों से बेहतर ही होंगी। जिन पौधों का इस्तेमाल पत्तल बनाने में किया जाता है, उनकी खेती करने के लिए किसानों को प्रोत्साहित करना चाहिए। हमें प्लास्टिक स्ट्रॉ के प्राकृतिक और पर्यावरण-अनुकूल विकल्प ढूंढ़ने होंगे। इन दिनों नारियल की पत्तियों से बने स्ट्रॉ, बांस के स्ट्रॉ, घास के स्ट्रॉ और अन्य वनस्पतियों के स्ट्रॉ चर्चा में हैं। अगर उनके इस्तेमाल को बढ़ावा दिया जाए तो भारत पूरी दुनिया को स्ट्रॉ का निर्यात कर सकता है, क्योंकि यहां प्राकृतिक निर्माण सामग्री भरपूर मात्रा में उपलब्ध है। इसी तरह आइसक्रीम कोन के लिए केले का पत्ता इस्तेमाल किया जा सकता है। भारत में कुछ विक्रेताओं ने ऐसे प्रयोग किए हैं, जिन्हें बहुत सराहना मिली है। दैनिक जीवन में प्लास्टिक के इस्तेमाल को हतोत्साहित करने के लिए जरूरी है कि कोई बेहतर विकल्प पेश किया जाए। लोग खरीदारी करने जाते हैं तो बाजार से सामान के साथ प्लास्टिक के बैग भी लेकर आ जाते हैं। क्या प्राकृतिक रेशों से बने बैग इनकी जगह नहीं ले सकते? ऐसे बैग्स को आकर्षक स्वरूप में पेश करना चाहिए। जब बाजार में सस्ते, सुंदर, टिकाऊ और प्रकृति के अनुकूल बैग उपलब्ध होंगे तो लोग उन्हें जरूर खरीदेंगे। अगर हम अभी जागरूक होकर उचित कदम नहीं उठाएंगे तो साल 2040 तक प्लास्टिक के प्रदूषण से लाखों लोग प्रभावित होंगे। यही सही समय है जब हमें प्लास्टिक पर निर्भरता कम करनी चाहिए और सतत विकास की दिशा में कदम बढ़ाना चाहिए। स्वास्थ्य और पर्यावरण की सुरक्षा हम सबकी जिम्मेदारी है।

ट्वीटर टॉक

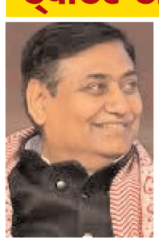

शिक्षा मंत्री ने राम कथा पर 81 ट्वीट कर दिए, लेकिन शिक्षा में नवाचार पर 2 साल में 8 ट्वीट नहीं कर पाए। 3700 से अधिक स्कूल जर्जर हैं, 44 हजार स्कूलों में टॉयलेट नहीं है, स्कूलों में 1.5 लाख शिक्षकों की कमी है और शिक्षा मंत्री भ्रष्टाचार की मशीन लगाकर ट्रांसफर में लगे हैं।

-गोविंदसिंह डोटासरा

भारत और अमेरिका के बीच संपन्न ऐतिहासिक व्यापार समझौते के बाद आज संसद भवन परिसर में एनडीए के माननीय सांसदों ने नरेन्द्र मोदी का अभिनंदन कर उन्हें हार्दिक बधाई दी। यह उपलब्धि किसी एक राजनीतिक दल की नहीं, बल्कि 140 करोड़ देशवासियों की है।

-भजनलाल शर्मा

महिला कल्याण की बहुआयामी योजनाओं के लिए 28,183.06 करोड़ का प्रावधान यह स्पष्ट करता है कि नारी शक्ति मोदी सरकार की नीतियों के केंद्र में है। यह बजट महिलाओं के सर्वांगीण उत्थान को गति देते हुए सशक्त नारीसमृद्ध भारत के विज़न को मजबूती से आगे बढ़ाता है।

-दिया कुमारी

प्रेरक प्रसंग

मानवता के महान संत

भारत की संत परंपरा में संत रविदास सामाजिक समरसता, प्रेम और मानवता के महान प्रवक्ता हैं। मध्यकालीन विषमताओं, जातिभेद और आडंबरों के विरुद्ध उन्होंने भक्ति, करुणा और समानता का संदेश दिया। राम, रहीम और मानव एकत्व की उनकी वाणी आज भी शांति, बंधुत्व और न्यायपूर्ण समाज की प्रेरणा देती है। यह दर्शन समावेशी संस्कृति और नैतिकता का पथ दिखाता है। रत्नगर्भा भारत माता सदा से ही ऋषि-मुनियों, साधु-संतों, महात्माओं और देवताओं की भूमि रही है। इस धरा धाम पर एक से बढ़कर एक महान और दिव्य महापुरुषों ने अवतार धारण कर इस भूमि को अपने मन-प्राणों से सींचा है। उन्होंने अपने कर्म और सिद्धांत द्वारा संपूर्ण मानव समाज को आपस में मेल-जोल के साथ यानी समरस भाव से जीविका चलाते हुए आगे बढ़ने का संदेश दिया। मानवतावादी चिंतन एवं बंधुत्व भाव से ओत-प्रोत सामाजिक समरसता के इस सिद्धांत के माध्यम से संपूर्ण विश्व समुदाय को युद्ध के बदले शांति और घृणा के बदले प्रेम के साथ जीवन जीने का दर्शन भगवान श्रीराम, श्रीकृष्ण, बुद्ध, महावीर आदि हमारे पूर्वजों ने दिया।

सामयिक

चुनौतियों का जवाब देने वाला बजट

अवधेश कुमार
मोबाइल : 9811027208

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने एक महिला के रूप में और लगातार नौ बजट पेश करके रिकॉर्ड बनाया है। महत्वपूर्ण यह है कि उनके द्वारा प्रस्तुत बजट भारत के सभी समूहों की आकांक्षाओं, आंतरिक और बाह्य चुनौतियों व आवश्यकताओं, राजनीतिक मांग एवं नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा देश के घोषित आर्थिक विकास लक्ष्यों की कसौटी पर खरा है या नहीं? पिछले कुछ समय से उत्पन्न वैश्विक उथल-पुथल में भारत को अपनी विकास गति बनाए रखने के साथ नए वैश्विक साझेदारी, निर्यात बाजार आदि विकसित करने तथा घरेलू उत्पादकों को नीतियों और प्रोत्साहन से समर्थन देने तथा सबके साथ समाज के निचले तबके से लेकर हर समूह की चाहत के बीच सामंजस्य बिठाने की चुनौती है। आर्थिक सर्वेक्षण में कहा गया था कि वैश्विक उथल-पुथल जल्दी समाप्त नहीं होने वाला इसलिए भारत को मैराथन एवं स्प्रिंट दोनों दौड़ लगाने की आवश्यकता है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आज 53.47 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा के बजट में यह संदेश दिया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार इन चुनौतियों और संकटों को अवसर में बदलने की दृष्टि से काम कर रही है। कोई लोक लुभावन घोषणा नहीं पूरा फोकस इस बात पर कि इस उथल-पुथल और अनिश्चितताओं के दौर में देश की अर्थव्यवस्था सुरक्षित, मजबूत और स्थिर होने के साथ विस्तारित भी हो, विश्व व्यापार के अनुरूप पर्याप्त गुणवत्तापूर्ण उत्पादन हो, किशोर और युवा वर्ग को भारत राष्ट्र के लक्ष्य और रोजगार दिलाने के अनुरुप शिक्षा, रोजगार के अवसर के साथ समाज के सभी समूह के लोगों का जीवन सुरक्षित हो सहज हो तथा आवश्यक सेवाएं सहायक उपलब्ध हों।

वित्त मंत्री ने अपने बजट भाषण में तीन कर्तव्य के नाम पर लक्ष्य और बजट की सैद्धांतिक आधारभूमि स्पष्ट कर दिया। पहला, उत्पादकता और प्रतिस्पर्धा बढ़ाने तथा वैश्विक उथल-पुथल के परिदृश्य में लचीलापन लाकर आर्थिक विकास को तेज करना और उसकी गति बनाए रखना। दूसरा, भारत की समृद्धि के पथ में सशक्त साझेदार बनाने के लिए लोगों की आकांक्षाएं पूरी करना और उनकी क्षमता बढ़ाना। तथा तीसरा, सरकार की सबका साथ, सबका विकास के दृष्टिकोण के अनुकूल- यह सुनिश्चित करना कि सार्थक भागीदारी के लिए प्रत्येक परिवार, समुदाय और क्षेत्र की संसाधनों, सुविधाओं और अवसरों तक पहुंच उपलब्ध हो। प्रधानमंत्री ने अपने भाषणों में व्यापक सुधारों का संकेत दिया था। वित्त मंत्री ने कहा कि हम 12 साल से आर्थिक विकास की दिशा में काम कर रहे हैं, 350 से अधिक सुधार किए हैं और अपने कर्तव्यों को पूरा करने के लिए इसकी गति बनाए रखनी पड़ेगी। उन्होंने आर्थिक विकास में तेजी लाने के लिए सात क्षेत्रों में पहल शुरू करने का प्रस्ताव रखा- रणनीतिक और अग्रणी क्षेत्रों में विनिर्माण को तेज करना। दो, विरासत के औद्योगिक क्षेत्रों का कायाकल्प करना। तीन, चैंपियन एमएसएमई का निर्माण करना। चार, आधारभूत संरचना को सशक्त प्रोत्साहन प्रदान करना। पांच, दीर्घकालिक ऊर्जा सुरक्षा और स्थायित्व सुनिश्चित करना। सात, शहरों में आर्थिक क्षेत्र विकसित करना। आप देखेंगे कि अपनी सैद्धांतिक आधारों और इन प्रक्रियाओं की दृष्टि से बजट में व्यवहारिक और साहसिक घोषणायें हैं।

तमाम उथल-पुथल के बीच नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा अपने राजकोषीय अनुशासन को बनाए रखना महत्वपूर्ण है। घोषित लक्ष्यों के अनुरुप राजकोषीय घाटा 4.4 प्रतिशत तक सीमित रखना एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है और इसीलिए इस वर्ष के लिए 4.3 प्रतिशत का लक्ष्य है। कर राजस्व में थोड़ी कमी है लेकिन ऐसी नहीं जिससे योजनाओं की दृष्टि से आवंटन में समस्याएं आयें। पूंजीगत खर्च जो मुख्ता आधारभूत संरचना पर खर्च होता है के लिए 12 लाख 20 करोड़ का आवंटन सरकार की प्राथमिकताओं को स्पष्ट करता है। यह कुल बजट का लगभग 23 प्रतिशत है। यूपीए सरकार में कभी भी पूंजीगत ब्याज 7-8 प्रतिशत से ज्यादा नहीं गया। यहीं पर सरकार की विचारधारा नीति और दुरगामी सोच स्पष्ट होती है कि आपका सबसे ज्यादा फोकस किस बात पर है। सभी क्षेत्र की आधारसंरचना इतनी सशक्त और विकास के अनुकूल बना दिया जाए कि आने वाले वर्षों तक इन पर आर्थिक गतिविधियां खिलखिलाती मुस्कुराती तेज गति से बढ़ती रहे।

कुछ और पहलुओं पर नजर दौड़ायें। विनिर्माण, सेवा और कृषि हमारी अर्थव्यवस्था और विकास के मूलाधार हैं। कुशल और दक्ष युवा वर्ग तैयार करना भारत का बड़ा लक्ष्य है,क्योंकि जब हम अन्य देशों से मोबिलिटी समझौता करते हैं तो काम करने वालों के क्षेत्र का भौगोलिक विस्तार हो जाता है। बजट में शिक्षा से रोजगार और उद्यमिता के नाम से एक स्थायी उच्चाधिकार समिति का गठन होगा जो सेवा क्षेत्र को विकसित भारत का मुख्य चालक बनने के लिए आवश्यक उपायों की अनुशंसा करेगा। वर्ष 2047 तक भारत का सेवा क्षेत्र में वैश्विक हिस्सा 10 प्रतिशत तक ले जाने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य निश्चित है। सोचिए, दुनिया के सेवा क्षेत्र में हमारा योगदान कम से कम एक दहाउ हो इसकी दृष्टि से ही नहीं दूसरे क्षेत्रों में भी भारत और विश्व की आवश्यकताओं के अनुकूल कुशल कार्यबल तैयार करने का एक स्थायी ढांचा तैयार किया जाइंडियन रहा है । वैश्विक बायोफॉर्मा निर्माण केन्द्र के रूप में भारत को विकसित करने के लिए कुल 10,000 करोड़ रुपये से बायोफॉर्मा शक्ति की शुरुआत हो रही है जो बायोलॉजिक और बायोसिमिलरों के घरेलू उत्पादन के लिए अगले पांच वर्षों में इको-सिस्टम का निर्माण करेगी। सेमीकंडक्टर और एआई क्षेत्र में देर से आने के बावजूद अग्रणी देश बनने की दृष्टि से महत्वाकांक्षी योजनाएं हैं। रेयर अर्थ मिनिरल्स अन्य दुर्लभ खनिज संसाधन में घरेलू क्षमताएं बनाने और एक स्वतंत्र आपूर्ति श्रृंखला खड़ा करने का लक्ष्य बनाया गया है। इसके लिए ओडिशा, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश और केरल जैसे खनिज-समृद्ध राज्यों में दुर्लभ पृथ्वी संसाधनों की खोज, खुदाई और संसाधन की श्रृंखला बनेगी।

विश्व को भारत के मुख्य निर्यात में कपड़े, वस्त्र, चमड़े आदि के उत्पाद, आभूषण, इलेक्ट्रॉनिक सामान आदि शामिल होते हैं। विश्व में प्रतिस्पर्धा के अनुरूप टिकाऊ वस्त्र और परिधानों को बढ़ावा देने के लिए उद्योग जगत और शैक्षणिक संस्थानों के सहयोग से वस्त्र कौशल इको-सिस्टम के आधुनिकीकरण और उन्नयन के लिए समर्थ 2.0 कार्यक्रम की शुरुआत हो गई है। इसमें श्रम प्रभावी वस्त्र क्षेत्र के लिए, पांच उपभागों के साथ एकीकृत कार्यक्रम का प्रस्ताव महत्वपूर्ण है। रेशम, ऊन और जूट जैसे प्राकृतिक फाइबर, मानव निर्मित फाइबर और नए युग के फाइबरों में आत्मनिर्भरता के लिए राष्ट्रीय फाइबर योजना है तो मशीनरी, प्रौद्योगिकी उन्नयन, परीक्षण एवं प्रमाणन केन्द्रों के लिए पूंजीगत सहायता के साथ पारम्परिक क्लस्टरों के आधुनिकीकरण के लिए वस्त्र विस्तार एवं रोजगार योजना। बुनकरों एवं कारीगरों की सहायता सुनिश्चित करने के लिए राष्ट्रीय हथकरघा एवं हस्तशिल्प कार्यक्रम भी शुरू हो गया है। महात्मा गांधी ग्राम स्वराज पहल के जरिए खादी, हैंडलूम और हैंडीक्राफ्ट पर केंद्रित करते हुए एक जिला-एक उत्पादन और ग्रामीण क्षेत्र में रहने वाले युवाओं को बढ़ावा मिलेगा। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों को 10 हजार करोड़ की विकास निधि का प्रस्ताव है जिससे ताकि भविष्य के चैम्पियनों का निर्माण किया जा सके और निर्धारित विशेषताओं के आधार पर उद्योगों को प्रोत्साहन दिया जा सके। मध्यम स्तर के उद्योग सुविधा खोने के डर से आगे नहीं बढ़ते और इसीलिए यह व्यवस्था की गई है ताकि वह आगे बढ़ें और उनको सुविधायें मिलती रहे।

कृषि के लिए चार आयामों में मुख्य किसानों की आय बढ़ाना मुख्य है। पहली बार बहुभाषीय एआई टूल 'भारत विस्तार' बनाने की योजना सामने आई है। इसके अलावा मत्स्य पालन, पांच सौ जलाशयों और अमृत सरोवरों के विकास, पशुपालन, उच्च मूल्य वाली कृषि को प्रोत्साहन दिया जाएगा। तटवर्ती इलाकों में नारियल, चंदन, कोको, काजू जैसे उच्च मूल्य वाली फसलों को प्रोत्साहन देने के लिए हर स्तर की सहायता प्रदान की जाएगी। 2030 तक भारतीय काजू और कोको को प्रीमियम वैश्विक ब्रांड के रूप में बदलने तथा नारियल उत्पादन में प्रतिस्पर्धा बढ़ाने के लिए नारियल संवर्धन योजना बनी है। इससे तमिलनाडु, केरल, आंध्र , तेलंगाना के किसानों के लाभ होगा। पूर्वोत्तर में अगर के पेड़ों और पर्वतीय क्षेत्रो में बादाम, अखरोट और खुमानी जैसे गिरीदार फलों को प्रोत्साहन देने की भी समग्र योजना है।

पर्यावरण रूप से टिकाऊ आवाजाही को बढ़ावा देने के लिए पूर्वी भारत में डानकूनी से पश्चिमी भारत के सूरत को जोड़ने के लिए नए समर्पित माल गलियारे, पांच वर्षों में 20 नए राष्ट्रीय जलमार्गों (एनडब्ल्यू) का संचालन, जलमार्गों और तटीय पोत परिहवन की हिस्सेदारी 6 प्रतिशत से बढाकर वर्ष 2047 तक 12 प्रतिशत करने के लिए तटीय कार्गोनन, सात उच्च-गति रेल कॉरीडोर विकसित करना, सी-प्लेन के स्वदेशी निर्माण के लिए प्रोत्साहन के लिए योजना आदि प्रमुख हैं। इनके साकार होने के बाद कल्पना करिए कि भारत विश्व स्तरीय यातायात में कहां खड़ा होगा और यह हमारे आम जीवन से लेकर आंतरिक और विदेशी आर्थिक क्रियाकलापों के लिए कितनी बड़ी आधारभूमि होगी। तो कुल मिलाकर 2047 के विकसित भारत का लक्ष्य पाने और उसके आगे सतत छलांग लगाते रहने की दृष्टि से वर्तमान एवं दूरगामी भविष्य की संभावित आवश्यकताओं और चुनौतियों की दृष्टि से बजट समग्र दृष्टिकोण और योजनायें प्रस्तुत करती है।

नजरिया

खेल या सियासत? विश्व क्रिकेट के सामने संकट

नृपेन्द्र अभिषेक नृप

क्रिकेट केवल एक खेल नहीं, बल्कि भावनाओं, स्मृतियों और राष्ट्रीय पहचान का प्रतीक है। जब बल्ला और गेंद की टकराहट से उठने वाली आवाज़ सीमाओं के पार जाकर करोड़ों दिलों की धड़कन बन जाती है, तब क्रिकेट मैदान केवल खेल का मंच नहीं रहता, बल्कि वह राजनीति, कूटनीति और जनभावनाओं का संगम बन जाता है। ऐसे में जब किसी देश द्वारा खेल से हटने जैसा फैसला लिया जाता है, तो वह केवल खेल का मामला नहीं रहता, बल्कि अंतरराष्ट्रीय संबंधों, आर्थिक हितों और खेल भावना के भविष्य से जुड़ा गंभीर प्रश्न बन जाता है। भारत और पाकिस्तान के बीच प्रस्तावित मुकाबले से पाकिस्तान के हटने का निर्णय इसी तरह का एक घटनाक्रम है, जिसने विश्व क्रिकेट में नई कटुता और असहजता पैदा कर दी है। भारत और पाकिस्तान के बीच क्रिकेट मुकाबले का इतिहास हमेशा से रोमांच, भावनाओं और विवादों से भरा रहा है। दोनों देशों के बीच राजनीतिक तनाव का असर अक्सर खेल पर पड़ा है, लेकिन इसके बावजूद क्रिकेट कई बार संवाद और सौहार्द का माध्यम भी बना है। यही कारण है कि जब पाकिस्तान सरकार ने भारत के खिलाफ मैच न खेलने का निर्णय लिया, तो यह फैसला केवल एक खेल से पीछे हटने का नहीं, बल्कि खेल को राजनीतिक हथियार बनाने की मानसिकता का प्रतीक बन गया। सबसे अधिक निराशाजनक बात यह रही कि इस निर्णय के पीछे कोई स्पष्ट कारण सामने नहीं आया। जब बिना कारण खेल से दूरी बनाई जाती है, तो यह संदेह और अविश्वास को जन्म देता है, जो खेल के मूल उद्देश्य के विपरीत है।

क्रिकेट की वैश्विक संरचना में भारत की भूमिका आज निर्विवाद रूप से केंद्रीय है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड न केवल आर्थिक रूप से सबसे मजबूत संस्था है, बल्कि विश्व क्रिकेट के संचालन में भी उसकी भूमिका निर्णायक है। प्रसारण अधिकारों से लेकर प्रायोजन तक, भारतीय दर्शकों की भागीदारी विश्व क्रिकेट की अर्थव्यवस्था की रीढ़ बन चुकी है। ऐसे में पाकिस्तान का यह रवैया कि वह भारत के साथ खेलने से इनकार करे, केवल भावनात्मक या राजनीतिक नहीं, बल्कि आर्थिक दृष्टि से भी आत्मघाती प्रतीत होता है। यह विडंबना ही है कि जिस विश्व क्रिकेट को भारत की भागीदारी से सबसे अधिक लाभ मिलता है, उसी मंच पर भारत के खिलाफ खेलने से इंकार किया जाए। पाकिस्तान क्रिकेट पर राजनीति का प्रभाव कोई नया तथ्य नहीं है। वहां खेल अक्सर सत्ता की रणनीतियों और राष्ट्रीय भावनाओं के दबाव में संचालित होता रहा है। 2008 के बाद भारतीय टीम का पाकिस्तान न जाना आतंकवाद और सुरक्षा चिंताओं का परिणाम था, जिसे अंतरराष्ट्रीय समुदाय ने भी काफी हद तक समझा। लेकिन इसके बावजूद पाकिस्तान के शासक वर्ग ने कभी आत्ममंथन नहीं किया कि आखिर उनके देश की परिस्थितियां ऐसी क्यों बनीं कि अंतरराष्ट्रीय टीमें वहां खेलने से कतराने लगीं। इसके उलट, उन्होंने हर बार खेल को भारत विरोधी राजनीति का मंच बना दिया। परिणामस्वरूप, पाकिस्तान क्रिकेट को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लगातार नुकसान उठाना पड़ा, लेकिन यह नुकसान भी उनके राजनीतिक आग्रहों को बदलने में सक्षम नहीं हो सका।

भारत और पाकिस्तान के बीच क्रिकेट मुकाबला केवल दो टीमों की भिड़ंत नहीं, बल्कि करोड़ों दर्शकों की भावनाओं का उत्सव होता है। यही कारण है कि इस मैच के दौरान विज्ञापन दरें आसमान छूने लगती हैं और प्रसारण कंपनियों को अभूतपूर्व लाभ होता है। यह आर्थिक पहलू केवल निजी कंपनियों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि इससे विश्व क्रिकेट के ढांचे को भी मजबूती मिलती है। जब पाकिस्तान इस मुकाबले से हटता है, तो वह न केवल खेल भावना को ठेस पहुंचाता है, बल्कि आईसीसी और आयोजकों के सामने भी आर्थिक संकट खड़ा कर देता है। यह कदम यह संकेत देता है कि पाकिस्तान खेल को सहयोग और प्रतिस्पर्धा के बजाय विरोध और टकराव का माध्यम बनाना चाहता है। इस पूरे घटनाक्रम को बांग्लादेश के संदर्भ में भी देखा जा रहा है। आईसीसी द्वारा बांग्लादेश को टी20 विश्व कप से बाहर किए जाने के बाद पाकिस्तान की प्रतिक्रिया ने यह संकेत दिया कि वह खेल के बजाय राजनीतिक एकजुटता को प्राथमिकता दे रहा है। यह स्थिति खेलों के मूल उद्देश्य के विपरीत है। खेलों का उद्देश्य राष्ट्रों को जोड़ना, संवाद बढ़ाना और सांस्कृतिक निकटता को मजबूत करना होता है। जब खेल को भू-राजनीतिक रणनीति का उपकरण बना दिया जाता है, तो वह अपने मूल स्वरूप को खो देता है और संघर्ष का मंच बन जाता है।

आईसीसी के सामने यह स्थिति एक बड़ी चुनौती के रूप में उभर रही है। यदि कोई देश राजनीतिक कारणों से खेल से पीछे हटता है, तो इससे अंतरराष्ट्रीय खेल व्यवस्था की विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न लग जाता है। इसलिए यह आवश्यक है कि आईसीसी ऐसे मामलों में स्पष्ट और कठोर नीति अपनाए, ताकि भविष्य में कोई भी देश खेल भावना के साथ खिलवाड़ न कर सके। यदि नियमों का उल्लंघन करने वाले देशों पर कठोर कार्रवाई नहीं की गई, तो यह प्रवृत्ति अन्य देशों में भी फैल सकती है, जिससे अंतरराष्ट्रीय खेलों का भविष्य संकट में पड़ सकता है। भारत के लिए यह स्थिति आत्मसम्मान और नीति निर्धारण का प्रश्न बन गई है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड को अब यह तय करना होगा कि वह केवल आर्थिक लाभ को प्राथमिकता देगा या राष्ट्रीय सम्मान और खेल की गरिमा को भी समान महत्व देगा। भारत की भलमनसाहत का प्रमाण यह रहा है कि उसने हमेशा खेल को राजनीति से ऊपर रखने की कोशिश की है। लेकिन जब इस उदारता का उत्तर बार-बार विरोध और अपमान के रूप में मिलता है, तो आत्मसम्मान की रक्षा के लिए कठोर कदम उठाना भी आवश्यक हो जाता है।

अब यह सोचने वाली बात है कि खेल और राजनीति के बीच संतुलन कैसे स्थापित किया जाए। यह सत्य है कि खेल पूरी तरह राजनीति से अलग नहीं रह सकता, क्योंकि खिलाड़ी राष्ट्र का प्रतिनिधित्व करते हैं और खेल राष्ट्र की पहचान का हिस्सा होता है। लेकिन जब राजनीति खेल पर पूरी तरह हावी हो जाती है, तो खेल अपनी आत्मा खो देता है। इसलिए आवश्यक है कि खेलों को संवाद और सहयोग का माध्यम बनाया जाए, न कि टकराव और कटुता का। भारत-पाकिस्तान क्रिकेट विवाद केवल दो देशों के बीच खेल का प्रश्न नहीं है, बल्कि यह वैश्विक खेल संस्कृति के भविष्य से जुड़ा मुद्दा है। यदि खेल को राजनीति का बंधक बना दिया गया, तो वह अपने मूल उद्देश्य से भटक जाएगा। भारत को चाहिए कि वह अपनी आर्थिक शक्ति और नैतिक प्रभाव का उपयोग करके विश्व क्रिकेट में संतुलन और न्याय की स्थापना करे। वहीं पाकिस्तान को भी यह समझना होगा कि कट्टर राजनीति से न तो खेल का भला होता है और न ही राष्ट्र का। क्रिकेट का मैदान संघर्ष का नहीं, संवाद का मंच होना चाहिए। बल्ला और गेंद की टकराहट से उठने वाली गूंज नफरत नहीं, बल्कि प्रतिस्पर्धा और सम्मान की भावना पैदा करे, यही खेल की सच्ची आत्मा है। यदि विश्व क्रिकेट इस आत्मा को बचाए रखने में सफल होता है, तभी खेल अपने वास्तविक उद्देश्य को पूरा कर सकेगा। अन्यथा, क्रिकेट भी राजनीति की कटुता में उलझकर अपनी पहचान खो देगा, और यह नुकसान केवल किसी एक देश का नहीं, बल्कि पूरे विश्व खेल समुदाय का होगा।

महत्त्वपूर्ण
Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

विश्व बैंक के अध्यक्ष अजय बंगा ने पाकिस्तान में अपने पूर्वजों के घर का दौरा किया

लाहौर/भाषा। विश्व बैंक के भारतीय मूल के अमेरिकी अध्यक्ष अजय बंगा मंगलवार को पाकिस्तान के पंजाब में सूबे में स्थित अपने पुश्तैनी घर पहुंचे और एक गुरुद्वारे में मत्था टेका। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों के धार्मिक स्थलों का प्रबंधन करने वाले 'इवैक्यूई ट्रस्ट प्रॉपर्टी बोर्ड' (ईटीपीबी) के मुताबिक, 66 वर्षीय बंगा अपने पूर्वजों के निवास को देखने के लिए इस्लामाबाद से लाहौर से लगभग 250 किलोमीटर दूर खुशब गए थे। उन्होंने अपने पूर्वजों के निवास से संबंधित राजस्व अभिलेखों को भी देखा। इस दौरे के दौरान, बंगा ने गुरुद्वारा सिंह सभा खुशब में मत्था टेका और वहां तस्वीरें खिंचवाईं।

बंगा ने गुरुद्वारे में किए गए विकास और प्रशासनिक उपायों की सराहना की।

ईटीपीबी के अतिरिक्त सचिव (श्राइन) नासिर मुश्ताक ने उन्हें सिख धार्मिक विरासत के संरक्षण और जीर्णोद्धार तथा देश भर में सिख तीर्थयात्रियों को प्रदान की जा रही सुविधाओं के बारे में जानकारी दी।

ईटीपीबी के अध्यक्ष कमर जमां ने कहा कि बोर्ड धार्मिक विरासत की रक्षा करने और सिख तीर्थयात्रियों के लिए आतिथ्य और धार्मिक सुविधाओं को सुनिश्चित करने के लिए अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप उपाय कर रहा है।

वाकआउट

तिरुवनंतपुरम में मंगलवार को यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट के विधायक सबरीमाला सोना चोरी विवाद पर राज्य के देवस्वओम मंत्री वी एन वासवन के इस्तीफे की मांग करते हुए केरल विधानसभा से वॉकआउट किया।

तापसी पन्नू एक बार फिर कोर्टरूम में, 'अस्सी' का ट्रेलर कैंपेन जयपुर पहुँचा

जयपुर/एजेन्सी

तापसी पन्नू एक बार फिर कोर्टरूम जॉनर में वापसी के लिए तैयार हैं। इस बार वह निर्देशक अनुभव सिन्हा के साथ आने वाली इन्वेस्टिगेटिव कोर्टरूम ड्रामा फिल्म अस्सी में नजर आएंगी। दमदार मोशन पोस्टर से मिले जबरदस्त रिस्पॉन्स के बाद, निर्माताओं ने फिल्म को सीधे दर्शकों तक ले जाने की शुरुआत कर दी हैऔर इसकी शुरुआत आज जयपुर में एक खास ऑन-ग्राउंड शोकेस से हुई। फिल्म की अनोखी प्रमोशनल स्ट्रेटेजी के तहत, तापसी पन्नू ने जयपुर मीडिया के साथ एक विशेष प्रेस कॉन्फ्रेंस की, वहीं टीम ने साथ ही बड़े पर्दे पर अस्सी का ट्रेलर भी दिखाया। अभिनेत्री ने मीडिया प्रतिनिधियों के साथ ट्रेलर देखा, पत्रकारों, फैंस और डिजिटल क्रिएटर्स से सीधे संवाद किया और फिल्म तथा उसके सशक्त विषय पर अपने विचार साझा किए।

अस्सी के मोशन पोस्टर ने अपने सख्त टोन और तात्कालिक संदेश के कारण पहले ही काफी उत्सुकता पैदा कर दी थी, जिसने एक हार्ड-हिटिंग सिनेमैटिक अनुभव की मजबूत नींव रखी। जयपुर दौरे ने इस उत्साह को और बढ़ाया, जहां दर्शकों ने फिल्म के तीव्र कोर्टरूम माहौल और सामाजिक सरोकारों से जुड़ी कहानी को सकारात्मक प्रतिक्रिया दी। तेज रफ्तार इन्वेस्टिगेटिव थ्रिलर के रूप में पेश की जा रही अस्सी, एक बिल्कुल नए तरह के कोर्टरूम ड्रामा के जरिए आगे बढ़ती है, जो देश में रोज़ाना दर्ज होने वाले लगभग अस्सी यौन उत्पीड़न मामलों की भयावह सचाई से प्रेरित है। फिल्म को एक अर्जेंट वॉच के तौर पर पोज़िशन किया जा रहा है, जो मजबूत महिला नायिकाओं के नेतृत्व में सामाजिक रूप से प्रासंगिक कहानियों के लिए बढ़ती दर्शक रुचि को दर्शाता है।

तापसी पन्नू के साथ फिल्म में कनी कुसरुति, रेवती, मनोज पाहवा, कुमुद मिश्रा और मोहम्मद ज़ीशान अय्यूब भी अहम भूमिकाओं में हैं। वहीं नसीरुद्दीन शाह, सुप्रिया पाठक और सीमा पाहवा की विशेष प्रस्तुतियाँ फिल्म की रोमांचक गहराई को और बढ़ाती हैं।गुलशन कुमार और टी-सीरीज़ प्रस्तुत अस्सी , बेनारस मीडिया वर्क्स के बैनर तले बनी है। फिल्म का निर्देशन अनुभव सिन्हा ने किया है और निर्माण भूषण कुमार, कृष्ण कुमार और अनुभव सिन्हा ने किया है। अस्सी 20 फरवरी 2026 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में विशेष रूप से रिलीज़ होगी।

मांग

तिरुवनंतपुरम में मंगलवार को भारतीय जनता युवा मोर्चा के कार्यकर्ता सबरीमाला सोना चोरी विवाद पर राज्य के देवस्वओम मंत्री वी एन वासवन के इस्तीफे की मांग करते हुए केरल विधानसभा तक मार्च के दौरान बैरिकेड पर चढ़ गए।

उपासना सिंह ने बताई इंडस्ट्री की कड़वी सच्चाई

मुंबई/एजेन्सी

'द कपिल शर्मा शो' में पिंकी बुआ के नाम से मशहूर अभिनेत्री उपासना सिंह ने एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री की छिपी हुई कड़वी सच्चाई पर बात की। उन्होंने बताया कि ग्लैमर के पीछे इंडस्ट्री की कड़वी सच्चाई और संघर्ष छिपा हुआ है। आईएएनएस से खास बातचीत में उन्होंने बताया कि बाहर से ग्लैमरस दिखने वाली यह इंडस्ट्री अंदर से संघर्ष, गरीबी और अनिश्चितता से भरी हुई है। उपासना सिंह ने कहा, लोग सोचते हैं कि फिल्म इंडस्ट्री में सब कुछ आसान और ग्लैमरस है। एक्टर आराम से जी रहे हैं, लेकिन हकीकत बहुत अलग है। जब मैं सिनेमा, टीवी आर्टिस्ट्स एसोसिएशन की जनरल सेक्रेटरी बनी, तो मुझे असली हालात पता चले। उन्होंने बताया कि कई कलाकार साल में मुश्किल से 1,200 रुपए कमा पाते हैं। कुछ को साल में सिर्फ चार-पांच दिन काम मिलता है। उसमें भी कोऑर्डिनेटर 5,000 रुपए की दिहाड़ी में से 25 प्रतिशत कमीशन काट लेता है। पेमेंट भी 90 से 120 दिन बाद मिलती है। मुंबई जैसे महंगे शहर में किराया, बच्चों की स्कूल फीस और घर के खर्चे उठाना इनके लिए बहुत मुश्किल हो जाता है।

उपासना ने आगे कहा, टीडीएस कटने के बाद, कोऑर्डिनेटर का कमीशन देने के बाद हाथ में कितना बचता है? कई बार इन कलाकारों के पास मेडिकल खर्च के लिए भी पैसे नहीं होते। वे डॉक्टर के पास नहीं जा पाते। अपनी सेहत का ध्यान रखना भी उनके लिए लग्जरी बन जाता है। उन्हें बस इंडस्ट्री में टिके रहने के लिए लगातार संघर्ष करना पड़ता है। बातचीत के दौरान वह बेहद भावुक नजर आईं। उन्होंने कहा, मुझे बहुत दुख होता है। भगवान की कृपा से मुझे अच्छा काम मिला, मैंने लीड रोल किए, पॉपुलर किरदार निभाए और आशीर्वाद मिला। लेकिन, जब मैंने इन कलाकारों की हालत देखी, तो दिल टूट गया। अब हम एसोशिएसन के जरिए उनकी लगातार मदद करने की कोशिश कर रहे हैं।

उपासना सिंह लंबे समय से इंडस्ट्री का हिस्सा हैं। उन्होंने 'जुड़वा', 'हलचल', 'हंगामा', 'गोलमाल रिटर्न्स' और 'चक दे फट्टे' जैसी कई हिट फिल्मों में काम किया है। टेलीविजन पर 'कॉमेडी नाइट्स विद कपिल' और 'द कपिल शर्मा शो' में उनके कॉमिक रोल, खासकर पिंकी बुआ का किरदार, दर्शकों के बीच बेहद लोकप्रिय हुआ।

भूटान की राजमाता को असम में 'ऑफ ह्यूमैनिटी' पुरस्कार से सम्मानित किया गया

कोकराझार (असम)/भाषा। भूटान की राजमाता दोरजी वांगमो वांगचुक को मंगलवार को असम के बोडोलैंड प्रादेशिक क्षेत्र (बीटीआर) के कोकराझार में 22वें उपेंद्र नाथ ब्रह्मा 'सोल्जर ऑफ ह्यूमैनिटी' पुरस्कार, 2025 से सम्मानित किया गया। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई।

उन्हें उनकी उत्कृष्ट मानवीय सेवाओं और करुणामय नेतृत्व के लिए यह पुरस्कार प्रदान किया गया।

असम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने कोकराझार स्थित बोडोलैंड विश्वविद्यालय के जे नीलेश्वर ब्रह्मा सभागार में आयोजित पुरस्कार समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि पूर्व राजा जिग्मे सिंग्ये वांगचुक की पहली पत्नी और राजमाता की उपस्थिति से कार्यक्रम का महत्व और बढ़ गया है। राज्यपाल ने कहा कि राज्य की जनता की ओर से उनका स्वागत करना एक सौभाग्य की बात है।

उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें यह पुरस्कार प्रदान करना उस व्यक्तित्व को एक 'उत्तम श्रद्धांजलि' है, जो मानवीय सेवा के अपने मिशन में अडिग रही है और मानव गरिमा के अधिकार के लिए लगातार संघर्ष करती रही है।

आचार्य ने कहा कि सामाजिक कल्याण, सांस्कृतिक संरक्षण, महिला सशक्तीकरण और करुणामय नेतृत्व में उनका योगदान 'सोल्जर ऑफ ह्यूमैनिटी' सम्मान की सच्ची भावना को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि यह पुरस्कार भारत और भूटान के बीच गहरे, ऐतिहासिक और स्थायी संबंधों का भी प्रतीक है।

आचार्य ने उल्लेख किया कि 'सोल्जर ऑफ ह्यूमैनिटी' पुरस्कार 'बोडोफा' (बोडो लोगों के संरक्षक) उपेंद्र नाथ ब्रह्मा के आदर्शों और दर्शन को समर्पित है, जिनका जीवन त्याग, साहस और मानवता की सेवा में निहित था।

राज्यपाल ने समाज के प्रति बोडोफा के योगदान पर कहा कि गंभीर आर्थिक चुनौतियों के बावजूद, वे एक विशिष्ट नेता के रूप में उभरे और उन्होंने अपना जीवन सामाजिक न्याय, मानवाधिकार और समावेशी विकास के लिए समर्पित कर दिया।

गेलेफू माइंडफुलनेस सिटी के गवर्नर और भूटान के पूर्व प्रधानमंत्री लोटे शेरिंग, असम के मंत्री यू जी ब्रह्मा, बोडोलैंड क्षेत्रीय परिषद के मुख्य कार्यकारी सदस्य हाग्रामा मोहिलारी, बीटीसी के पूर्व सीईएम प्रमोद बोरो और अन्य गणमान्य व्यक्ति भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

ये नया हिंदुस्तान है... 'धुरंधर 2' का टीजर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

रणवीर सिंह की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'धुरंधर' के सीक्वल 'धुरंधर: द रिवेंज' का ऑफिशियल टीजर रिलीज हो चुका है। टीजर का सोशल मीडिया पर धमाल देखने को मिला। पहले पार्ट की जबरदस्त सफलता के बाद यूजर्स इस सीक्वल के लिए उत्साहित नजर आए। टीजर करीब 1 मिनट 12 सेकंड लंबा है, जिसमें रणवीर सिंह का इंटेंस और खूंखार लुक सामने आया है। वह दो अलग-अलग किरदारों में नजर आ रहे हैं, जिसमें गोलीबारी, मारकाट और हाई-वोल्टेज एक्शन से भरपूर सीन हैं। टीजर की लाइन खास तौर पर चर्चा में है-ये नया हिंदुस्तान है, घर में घुसेगा भी और मारेगा भी। फिल्म के डायरेक्टर आदित्य धर ने पहले पार्ट की तरह ही इस सीक्वल में भी एक्शन, थ्रिलर और इमोशनल ड्रामा का शानदार मिश्रण किया है। टीजर से साफ झलक मिलती है कि कहानी पहले से ज्यादा इंटेंस होगी, जिसमें रिवेंज का तड़का और खूब एक्शन सीक्वेंस होंगे। मेकर्स ने टीजर के साथ कैप्शन में लिखा है कि यह नया हिंदुस्तान है, जो दुश्मनों को घर में घुसकर भी सबक सिखाएगा।

यह टीजर पहले भाग में खत्म हुई कहानी के आगे की झलक दिखाता है। पहला भाग की कहानी रहमान डकैत (अक्षय खन्ना) और रणवीर सिंह के किरदार के इर्द-गिर्द घूमती रहती है। रहमान डकैत की मौत के बाद दूसरे भाग में रणवीर के लिए अगली चुनौतियां और अवसर हैं। टीजर में रणवीर के हमजा के किरदार से पहले जसकीरत सिंह रंगी के किरदार की भी काफी झलकियां हैं, जो एक शानदार ट्रांसफॉर्मेशन पर फोकस करती हैं। इन चीजों के अलावा टीजर में बहुत कुछ नया नहीं है, लेकिन एक्शन से भरपूर इस टीजर के सीन अपनी छाप छोड़ने में कामयाब रहे हैं। पहला पार्ट 'धुरंधर' 5 दिसंबर 2025 को रिलीज हुआ था और इसने वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस पर 1 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा का बिजनेस किया।

यह फिल्म हाल में ही ओटीटी पर भी रिलीज हुई है और नंबर-1 पर ट्रेंड कर रही है। अब सीक्वल में रणवीर सिंह के साथ संजय दत्त, अक्षय खन्ना, आर. माधवन, अर्जुन रामपाल, सारा अर्जुन समेत अन्य कलाकार के नजर आने की जानकारी है। फिल्म हिंदी के अलावा तेलुगू, तमिल, कन्नड़ और मलयालम भाषा में 19 मार्च को थिएटर्स में दस्तक देगी। टीजर रिलीज के बाद से यूजर्स सोशल मीडिया पर बेहद उत्साहित नजर आए और इसे 'धुरंधर का धमाका 2.0' बता रहे हैं। कई यूजर्स ने लिखा है कि रणवीर का लुक और एक्शन शानदार है। वहीं, लोग कहते नजर आए कि अब 19 मार्च का इंतजार है।

रोहित शेट्टी फायरिंग मामला : हमले से पहले बिश्नोई गैंग ने की थी रेकी, स्कूटर से की गई निगरानी

मुंबई/एजेन्सी

निर्देशक और प्रोड्यूसर रोहित शेट्टी के जुहू स्थित घर के बाहर हुई फायरिंग की घटना में मुंबई क्राइम ब्रांच की जांच से कई चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। पुलिस ने पाया है कि लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़े आरोपियों ने हमले से पहले रोहित शेट्टी के घर और आसपास के इलाके की कई दिनों तक रेकी की थी। जांच में सामने आया कि रेकी उसी स्कूटर से की गई थी, जिसका इस्तेमाल फायरिंग के दौरान भागने के लिए किया गया। अज्ञात शूटर ने पांच राउंड फायरिंग की और उसी स्कूटर पर सवार होकर मौके से फरार हो गया। वह विले पार्ले रेलवे स्टेशन पहुंचा, जहां स्कूटर छोड़कर ट्रेन से मुंबई से बाहर निकल गया। पुलिस के अनुसार, अपराध में इस्तेमाल स्कूटर पुणे से 30 हजार रुपए में खरीदा गया था। स्कूटर मूल रूप से आनंद मारोटे के नाम पर रजिस्टर्ड था, जिसने इसे 6 अगस्त 2009 को खरीदा था। घटना से करीब 12 दिन पहले मारोटे ने स्कूटर गिरफ्तार आरोपी आदित्य गायकवाड़ को 30 हजार रुपए में बेच दिया। पैसे कथित मास्टरमाइंड शुभम लोनकर ने दिए थे।

क्राइम ब्रांच के मुताबिक, आरोपी समर्थ पोमाजी के निर्देश पर सिद्धार्थ येनपुरे और स्वप्नील सकट ने स्कूटर को सड़क मार्ग से पुणे से लोनावाला लाने की कोशिश की, ताकि इसे शूटर को सौंपा जा सके। हालांकि शूटर लोनावाला नहीं पहुंच सका, इसलिए आरोपियों ने घटना से लगभग 10 दिन पहले स्कूटर मुंबई पहुंचाकर अज्ञात शूटर को सौंप दिया। इसके लिए उन्हें अतिरिक्त पैसे दिए गए। पुलिस ने बताया कि मुंबई में स्कूटर पहुंचाने वाले आरोपियों को पता था कि यह आपराधिक साजिश का हिस्सा है, लेकिन उन्हें नहीं मालूम था कि टारगेट रोहित शेट्टी का घर है। जांच में यह भी सामने आया कि समर्थ पोमाजी ने मुख्य शूटर की सक्रिय मदद की। शुभम लोनकर के निर्देश पर समर्थ ने गायकवाड़ की मदद से स्कूटर का इंतजाम किया और अपराध में अहम भूमिका निभाई।

समर्थ लगातार शुभम लोनकर के संपर्क में था और सिग्नल ऐप के जरिए उससे नियमित बात करता था। शुभम के निर्देशों पर काम करते हुए समर्थ ने कथित तौर पर फायरिंग की पूरी योजना बनाई।

मुंबई में मंगलवार को बॉलीवुड एक्टर अर्चना पूरन सिंह पूर्व क्रिकेटर, नवजोत सिंह सिद्धू के साथ मुंबई में नेटफ्लिक्स के प्रमोशनल इवेंट के दौरान।

'योगी दा' में बिना किसी बॉडी डबल के सभी स्टंट मैंने खुद किए : साई धनशिका

हैदराबाद/एजेन्सी

साउथ फिल्म इंडस्ट्री की सफल अभिनेत्री साई धनशिका अपनी अपकमिंग फिल्म 'योगी दा' की रिलीज को लेकर उत्साहित हैं। साई फिल्म में एक्शन करती नजर आएंगी। उन्होंने बताया कि फिल्म 'योगी दा' में सभी स्टंट खुद किए हैं। उन्होंने बताया कि बिना किसी बॉडी डबल के एक्शन सीन पूरे किए महिलाएं चाहें तो पुरुषों जितने शानदार स्टंट कर सकती हैं। एक इवेंट में साई धनशिका ने बताया, मैंने पहली बार 'पेरानमाई' में एक्शन किया था और वह अनुभव आज भी मेरी मदद करता है। 'योगी दा' में हर स्टंट सीन मैंने खुद किए हैं, बिना किसी बॉडी डबल के। अगर महिलाएं मन बना लें, तो वे पुरुषों की तरह ही अच्छे स्टंट कर सकती हैं। उन्होंने फिल्म के संदेश पर जोर देते हुए कहा, आज महिलाओं के खिलाफ अपराध बढ़ रहे हैं। समाज अक्सर सोचता है कि एक बार अगर कोई महिला शारीरिक रूप से घायल हो जाए, तो वह फिर कभी खड़ी नहीं हो सकती। लेकिन 'योगी दा' दिखाती है कि वह इससे उबर सकती है और मजबूत होकर वापस आ सकती है। हमने यह फिल्म महिलाओं के लिए, उनकी पूरी क्षमता दिखाने के लिए बनाई है। साई धनशिका ने फिल्म के टाइटल की रोचक कहानी भी साझा की। उन्होंने कहा कि 'योगी दा' का नाम सुपरस्टार रजनीकांत की फिल्म 'कबाली' से प्रेरित है। मैंने 'कबाली' में रजनीकांत सर की बेटी का किरदार निभाया था, जिसका नाम 'योगी' था। इसी से 'योगी दा' की शुरुआत हुई। हमने 'कबाली' के लुक और एक्शन स्टाइल में समानताएं देखीं, इसलिए यह नाम चुना। 'कबाली' के लिए मैंने असल में अपने बाल कटवाए थे, लेकिन इस फिल्म के लिए विग का इस्तेमाल किया। 'कबाली' के बाद कई महिलाओं ने मेरे किरदार से प्रेरित होकर बाल कटवाए थे। तब मुझे एहसास हुआ कि एक फिल्म लोगों पर कितना गहरा असर डाल सकती है।

एक्ट्रेस ने अपनी पूरी टीम को दिल से धन्यवाद देते हुए कहा, मेरी पूरी टीम को बहुत-बहुत शुक्रिया। यह आप सबके बिना संभव नहीं होता। मैं मानती हूं कि ज्यादा बोलने से बेहतर है कि काम बात करे, जो मेहनत फिल्मों में दिखती है। 'योगी दा' एक एक्शन एंटरटेनर है, जिसे गौतम कृष्णा ने लिखा और डायरेक्ट किया है। फिल्म का निर्माण श्री मोनिका सिनी फिल्म्स के बैनर तले सेंथिलकुमार ने किया है। एक्शन से भरपूर फिल्म में साई धनशिका लीड रोल में हैं। यह फिल्म 6 फरवरी को रिलीज होने वाली है।

देवी उत्सव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के केपी अग्रहारा क्षेत्र के नागरिकों द्वारा नगरदेवता अणाम्मा देवी उत्सव धूमधाम से मनाया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में महेंद्र मुणोत ने देवी मां के दर्शन कर आशीर्वाद लिया एवं अन्नदान कार्यक्रम में सेवा प्रदान की। आयोजकों ने मुणोत को सम्मानित किया।

प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ कथित आपत्तिजनक टिप्पणी को लेकर कर्नाटक विधान परिषद में हंगामा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक विधान परिषद में कांग्रेस सदस्य नजीर अहमद की ओर से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ कथित तौर पर अपमानजनक टिप्पणी किए जाने को लेकर मंगलवार को भी हंगामा हुआ। सोमवार को परिषद में हुई चर्चा के दौरान अहमद ने अपमानजनक टिप्पणी की, जिससे हंगामा मच गया और विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बिना शर्त माफी की मांग की। इसी मामले में मंगलवार को भाजपा सदस्य सदन के आसन के समीप आकर अहमद के खिलाफ नारे लगाने लगे।

अध्यक्ष बसवराज होरट्टी ने भी कहा कि अहमद को बिना शर्त माफी मांगनी चाहिए। इस पर कांग्रेस विधान परिषद सदस्य ने कहा कि उन्होंने ऐसा इसलिए कहा था क्योंकि महात्मा गांधी को विश्व गुरु के रूप में पूजा जाता है, ऐसे में मोदी को विश्व गुरु कहना उन्हें आपत्तिजनक लगा। उन्होंने यहां तक भी कहा कि वह निलंबन के लिए तैयार हैं। हंगामा जारी रहने पर होरट्टी ने सदन की कार्यवाही स्थगित कर दी।

डांस

गुवाहाटी में मंगलवार को कॉटन यूनिवर्सिटी के स्टूडेंट्स गुवाहाटी में यूनिवर्सिटी कैंपस में वर्सिटी वीक 2026 सेलिब्रेशन के दौरान ट्रेडिशनल डांस करते हुए।

अब उम्र तय करने में जीन की भूमिका पहले से अधिक, बदला है कारण

सोलना (स्वीडन)। किसी व्यक्ति की उम्र कितनी होगी, इसमें जीन की कितनी भूमिका है यह सवाल लंबे समय से वैज्ञानिकों और आम लोगों के लिए एक पहेली रहा है। अब तक आम धारणा यह थी कि मानव जीवनकाल में लगभग 20 से 25 प्रतिशत योगदान जीन का होता है, जबकि शेष जीवनशैली और पर्यावरण पर निर्भर करता है।

बहरहाल साइंस पत्रिका में प्रकाशित एक नए अध्ययन ने इस सोच को चुनौती दी है।

शोध के अनुसार, आज के दौर में जीवनकाल में जीन का योगदान पहले की तुलना में कहीं अधिक दिखाई देता है। इसके पीछे कारण यह नहीं है कि जीन अचानक ज्यादा प्रभावशाली हो गए हैं, बल्कि यह है कि बीते एक शताब्दी में मृत्यु के कारणों में बड़ा बदलाव आया है।

शोधकर्ताओं का कहना है कि एक सदी पहले बड़ी संख्या में लोग दुर्घटनाओं, संक्रमणों और अन्य बाहरी कारणों से मर जाते थे। वैज्ञानिक इन्हें 'बाह्य कारण' कहते हैं। इसके विपरीत, आज विकसित देशों में अधिकांश मौतें 'आंतरिक कारणों' से होती हैं, जैसे उम्र बढ़ने से जुड़ी बीमारियां हृदय रोग, डिमेंशिया और अन्य रोग।

अधिक स्पष्ट तस्वीर के लिए शोध दल ने स्कैंडिनेवियाई देशों में जुड़वां बच्चों के बड़े समूहों का अध्ययन किया। इसमें दुर्घटनाओं और संक्रमणों से हुई मौतों को अलग कर दिया गया। इसके अलावा अमेरिका में अलग-अलग पले-बढ़े जुड़वां बच्चों और सौ साल से अधिक उम्र तक जीने वाले लोगों के भाई-बहनों का भी विश्लेषण किया गया।

जब बाहरी कारणों से होने वाली मौतों को अलग कर देखा गया, तो जीवनकाल में जीन का अनुमानित योगदान 20 25 प्रतिशत से बढ़कर लगभग 50 55 प्रतिशत तक पहुंच गया। शोधकर्ताओं के अनुसार, यह पैटर्न विभिन्न बीमारियों में भी दिखाई देता है। डिमेंशिया में आनुवंशिकी की भूमिका अधिक है, हृदय रोग में मध्यम, जबकि कैंसर में अपेक्षाकृत कम।

हालांकि, वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि इस निष्कर्ष की गलत व्याख्या नहीं की जानी चाहिए। इसका मतलब यह नहीं है कि जीन की ताकत बढ़ गई है या यह कि किसी व्यक्ति की उम्र का आधा हिस्सा उसके नियंत्रण से बाहर है। वास्तव में बदला है पर्यावरण और इसके प्रभाव जीन पर असर डालते हैं।

शोधकर्ता इसे समझाने के लिए मानव की लंबाई का उदाहरण देते हैं। एक सदी पहले लंबाई इस बात पर बहुत निर्भर करती थी कि बचपन में पर्याप्त भोजन मिला या नहीं और बीमारियों का असर कितना पड़ा। आज समृद्ध देशों में अधिकांश लोगों को पर्याप्त पोषण मिलता है, इसलिए लंबाई में बचा अंतर मुख्यतः जीन से जुड़ा दिखता है। इसका अर्थ यह नहीं कि पोषण महत्वहीन हो गया है, बल्कि यह कि अधिकतर लोग अपनी आनुवंशिक क्षमता तक पहुंच पा रहे हैं।

विरोध

नई दिल्ली में मंगलवार को कांग्रेस सांसद राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा, अमरिंदर सिंह राजा वारिंग, दीपेंद्र सिंह हुड्डा और दूसरे लोग नई दिल्ली में संसद के बजट सेशन के दौरान लोकसभा से आठ सांसद के सस्पेंशन और इंडिया-यूएस ट्रेड एग्रीमेंट के खिलाफ पार्लियामेंट कॉम्प्लेक्स में प्रोटेस्ट करते हुए।

धर्म की कला मनुष्य को जीवन जीना सिखाती है : साध्वी भव्यगुणाश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के राजाजीनगर में विराजित साध्वी भव्यगुणाश्रीजी ने कहा कि जीवन जीना एक कला है और मनुष्य जीवन का कलाकार है। जैसा हम बनना चाहेंगे वैसा बन सकते हैं। सभी मानव जन्म से एक जैसे होते हैं पर कला ही उसे नया रूप प्रदान करती है। धर्म की कला मनुष्य को जीवन जीना सिखाती है। मनुष्य जीवन केवल पेट भरने के लिए नहीं मिला है। धर्म की कला आत्मा को भी सुंदर व पावन बना कर मनुष्य जीवन को सार्थक बनाती है।

साध्वी शीतलगुणाश्रीजी ने कहा कि विकृतियों का ज्ञान प्राप्त कर उनको समझना और अपने को उनसे दूर रखना भी धर्म की कला है। शरीर की बीमारी दवाओं से ठीक हो सकती है पर मन की बीमारी का समाधान मन ही कर सकता है। व्यक्ति मन के पीछे भागता रहता है पर मन की तृष्णा कभी नहीं मिट सकती है। मन ही व्यक्ति को अच्छा बुरा बनाता है। मन में बुरे भाव आ जाने पर व्यक्ति अपराध की तरफ अग्रसर होता है और मन में अच्छे भाव जागृत होने पर वह धर्म से जुड़कर त्यागी-तपस्वी बन जाता है। जिनवाणी मन को धर्म से जोड़ने में सहायक होती है। उन्होंने कहा कि मन को धर्म में लगा संसार के सपनों से दूर जाने वाला वैरागी बन जाता है। जिसका जीवन संतोष से परिपूर्ण होता है वह सुखी होता है। मन को जीतने की नहीं जीने की जरूरत है। मन हमारा दुश्मन नहीं दोस्त है बस उसे समझने की आवश्यकता है। मन सावचेत रहने पर उसमें कलुषित भावना भी नहीं आएगी। दुनिया वही करती और बोलती है जो मन चाहता है। जो मन चाहता है इन्द्रियां भी वही करती है। मन वश में कर लिया तो पाप भी नहीं होंगे। मन को धर्म साधना से जोड़ देंगे तो जीवन सुधर जाएगा। सुनील कुंकुलोल ने साध्वीवृंदों के विहार कार्यक्रम की जानकारी दी।

आभूषण टीम बनी 'गली क्रिकेट' टूर्नामेंट की विजेता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जीतो यूथ विंग साउथ ने जीतो यूथ गेम्स सीज़न-4 'गली क्रिकेट' इंडोर क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन प्रिंसेस श्राइन ग्राउंड पर आयोजित किया गया। इस आयोजन ने 10 खेलों में 12 टीमों के बीच 5 महीने लंबे खेल चैंपियनशिप का उद्घाटन मैच किया। यूथ अध्यक्ष मेहुल श्रीश्रीमाल ने खिलाड़ियों का स्वागत किया। संयोजक कुणाल मकाना, रिद्धि गांधी और तक्ष नाहर ने बताया कि इस टूर्नामेंट में 150 से अधिक मैचों में 850 से अधिक युवा सदस्यों ने भाग लिया।

टूर्नामेन्ट में रिषभ, भाविन और अभय के नेतृत्व वाली आभूषण टीम विजेता, प्रज्ज्वल और नमन गिरिया के नेतृत्व वाली ऑराए टीम उपविजेता रही। इस आयोजन में जीतो, अपेक्स, महिला व यूथ विंग के अनेक सदस्य उपस्थित थे।

भारत और पाकिस्तान के बीच मैच को युद्ध की तरह कवर किया जाता है : उमर अब्दुल्ला

जम्मू/भाषा। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने मंगलवार को कहा कि टी20 विश्व कप में भारत के साथ मैच से पाकिस्तान का नाम वापस लेना खेल और राजनीति के जटिल अंतर्संबंध का परिणाम है।क्रिकेट प्रेमी अब्दुल्ला ने इस बात पर जोर दिया कि खेल को राजनीतिक मुद्दों से जोड़ने से अक्सर प्रतिकूल परिणाम निकलते हैं।

मुख्यमंत्री ने पत्रकारों से कहा, हमने अब खेल और राजनीति के बीच अंतर करना पूरी तरह से बंद कर दिया है। बार-बार, मीडिया के माध्यम से, जब भी भारत और पाकिस्तान के बीच कोई मैच होता है तो उसे युद्ध के रूप में प्रस्तुत किया जाता है। आप इसे कभी भी सामान्य मैच की तरह कवर नहीं करते।अब्दुल्ला ने कहा कि भारत-पाकिस्तान के बीच होने वाले मैचों को हमेशा बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया जाता है और यही इस तरह के विवादों का एक कारण है।मुख्यमंत्री ने कहा, जब हम दूसरे देशों के खिलाफ खेलते हैं, तो उस पर इतना ध्यान नहीं दिया जाता, लेकिन जब बात पाकिस्तान की होती है, तो उसे बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया जाता है। तभी ऐसी स्थितियां उत्पन्न होती हैं। ऐसा नहीं होना चाहिए।

हां, वे इस विश्व कप में हिस्सा ले रहे हैं, लेकिन वे हमारे खिलाफ नहीं खेलेंगे।अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने पाकिस्तान को 15 फरवरी को कोलंबो में भारत के खिलाफ होने वाले मुकाबले से चुनिंदा रूप से हटने के लिए गंभीर परिणामों की चेतावनी दी है।

मोदी की 'एक पेड़ मां के नाम' पहल के तहत इजराइल में लगाए गए 300 पौधे, यहूदी उत्सव का भी जश्न

नेवातिम (इजराइल)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की 'एक पेड़ मां के नाम' पहल के तहत इजराइल के मोशाव नेवातिम में कम से कम 300 पौधे लगाए गए और पर्यावरणीय जागरुकता का पर्व तू बिश्वात भी मनाया गया। इस कार्यक्रम में सैकड़ों लोगों ने भाग लिया। कार्यक्रम का आयोजन भारतीय दूतावास द्वारा इजराइल की गैर-लाभकारी संस्था केरेन कायमेट लेइजराइल और कृषि आधारित बस्ती मोशाव नेवातिम के सहयोग से किया गया था, जो भारत और इजराइल के बीच पर्यावरणीय स्थिरता, सामुदायिक भागीदारी और लोगों के बीच संबंधों के प्रति साझा प्रतिबद्धता का प्रतीक है। कार्यक्रम के बाद जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में यह जानकारी दी गई। इस अवसर पर इजराइल के पर्यावरण संरक्षण मंत्रालय के महानिदेशक रामी रोजेन, इजराइल में भारत के राजदूत जेपी सिंह और बनेई शिमोन क्षेत्रीय परिषद के प्रमुख निर ज़मीर उपस्थित रहे। तीनों ने भारत और इजराइल की पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास के प्रति साझा प्रतिबद्धता को रेखांकित किया। राजदूत जेपी सिंह ने कहा, ''तू बिश्वात और 'एक पेड़ मां के नाम' दोनों ही पहलें पेड़ों को सामुदायिक सहभागिता और सतत जीवनशैली के केंद्र में रखती हैं। ये साझा परंपराएं भारत और इज़राइल के बीच गहरे सांस्कृतिक संबंधों और लोगों के बीच मजबूत रिश्तों को दर्शाती हैं तथा यह रेखांकित करती हैं कि हमारे दोनों देश प्रकृति, समुदाय और साझा मूल्यों को कितना महत्व देते हैं।''

पर्यावरण संरक्षण के लिए लेडीज विंग ने शुरू किया 'माई बैग-माई स्टाइल' अभियान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जीतो साउथ लेडीज़ विंग द्वारा सक्षम एवं पर्यावरणीय स्थिरता पहल के अंतर्गत, 'माई बैग-माई स्टाइल' नामक परियोजना का आयोजन किया गया जिसका उद्देश्य पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के साथ-साथ महिला सहभागिता, सामुदायिक एकजुटता एवं स्वावलंबन को प्रोत्साहित करना रहा। साउथ लेडीज विंग की चेयरपर्सन बबीता रायसोनी ने कहा कि माई बैग, माई स्टाइल, केवल कपड़े का थैला नहीं, बल्कि जिम्मेदारी, जागरूकता और गर्व का प्रतीक है। जब महिलाएँ उदाहरण बनकर आगे बढ़ती हैं, तब स्थिरता एक नारा नहीं, बल्कि जीवनशैली बन जाती है। इस परियोजना के अंतर्गत पर्यावरण के अनुकूल कपड़े के थैले साधर्मिक महिलाओं द्वारा सिले गए है, जिससे न केवल प्लास्टिक के विकल्प तैयार हुए, बल्कि सामुदायिक जुड़ाव, कौशल उपयोग और आजीविका समर्थन को भी बल मिला। थैलों पर 'देसी बैग ग्लोबल इम्पैक्ट, का प्रभावशाली संदेश जीतो बिज़नेस नेटवर्क सदस्य द्वारा पेशेवर रूप से मुद्रित किया गया। इस पहल के तहत सभी सदस्याओं ने अपने दैनिक जीवन में जैसे सब्ज़ी, किराना एवं स्थानीय ख़रीदारी में प्लास्टिक के स्थान पर कपड़े के थैलों के उपयोग का संकल्प लिया। लेडीज़ विंग द्वारा अपेक्स पदाधिकारियों को धन्यवाद दिया गया। इस मौके पर श्रमण आरोग्यम संयोजिका सुनीता गांधी, स्मॉल हाउसहोल्ड बिज़नेस मॉडल्स संयोजिका बिंदुजी रायसोनी, फाउंडर चेयरपर्सन निशा सामर, प्रमिला भंडारी, पूर्व चेयरपर्सन मधुडोशी आदि उपस्थित थीं।

बीकानेर परिषद के स्नेह मिलन में वरिष्ठजनों व प्रोफेशनलों का हुआ सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बीकानेर जैन परिषद का तृतीय वार्षिक स्नेह मिलन एक रिसोर्ट में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में आयोजित बैठक में अध्यक्ष विनोद पारख ने सभी का स्वागत किया। मंत्री संजय सिपानी ने परिषद की गतिविधियों की जानकारी दी।कोषाध्यक्ष बजरंग सिपानी ने आय-व्यय का ब्यौरा दिया। संगठन मंत्री आलोक गंग ने अब तक पंजीकृत सदस्यों की जानकारी प्रस्तुत की।

सभा के दौरान परिषद के अंतर्गत 85 वर्ष से अधिक आयु के श्रावक-श्राविकाओं का, समाज के प्रोफेशनल सदस्यों सहित बीकानेर प्रीमियर लीग बॉक्स क्रिकेट प्रतियोगिता के विजेता एवं उपविजेता खिलाड़ियों का सम्मान किया गया।स्नेह मिलन में बच्चों, युवाओं, महिलाओं एवं युगलों हेतु विविध खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिनके विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए गए। इसके पश्चात सांस्कृतिक कार्यक्रमों में परिषद परिवार की प्रतिभाओं ने नृत्य, गायन एवं कविता पाठ के माध्यम से मनमोहक प्रस्तुतियाँ दीं। सहमंत्री श्रेयांस गोलछा ने धन्यवाद दिया। प्रचार-प्रसार मंत्री विकास बांठिया ने संचालन किया।

चामराजपेट में आयोजित हिंदू समाजोत्सव में गूंजा हिन्दू एकता का नारा

कार्यक्रम में हिन्दू संतों के साथ शामिल हुए जैन संत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ चामराजपेट द्वारा शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में सिद्धमठ आश्रम के सामने हिंदू समाजोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें डॉ मुनि पुलकित कुमारजी ने कहा, भारतीय संस्कृति में कृषि और ऋषि दोनों का बहुत सम्मान है। कृषि से जीवन चलता है तो ऋषि मुनि समाज को मार्गदर्शन देने का कार्य करते हैं, भटके हुए को सही मार्ग पर लाते हैं। भारत की अखंडता के लिए ऋषियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा है और आगे भी रहेगा। उन्होंने कहा कि जैन समाज सदैव भारत की एकता व अखंडता के लिए तत्पर रहा है। जैन धर्म ने भाषा और जाति के आधार पर कभी विभाजन नहीं होने दिया। भारत की एकता को बनाए रखना आज की परम आवश्यकता हो गई है, विभाजनकारी प्रवृत्ति को दूर रखा जाए यही वर्तमानसमय की जरूरत है। मुनिश्री परमयशविजयजी ने कहा कि भारत माता का वही सपूत कहलाता है जिसने आत्म सनातन धर्म तत्व को पहचाना है। सनातन का मतलब है, शाश्वत आत्मगुणों का विकास ही हमारा सनातन है । मूर्तिपूजक जैन संघ के प्रमुख आचार्यश्री देवेंद्रसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि भारतीय संस्कृति में महिलाओं, माता व पुत्री को शक्ति स्वरूपा कहा गया है। महिलाएं भी उस गरिमा को बनाए रखें, अपनी सीमा को लांघने का प्रयास न करें। विदेशी संस्कृति को स्वयं पर हावी न होने दें। स्वदेशी चीजों को अपनाने पर ही भारत सशक्त बन सकेगा। आयोजन समिति की तरफ से अतिथियों का सम्मान किया गया। हिंदू समाज उत्सव कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में आरएसएस सकलेशपुर के प्रमुख रघुवन्ना ने युवा वर्ग को विशेष प्रेरणा देते हुए कहा कि हमें इतिहास से शिक्षा लेनी चाहिए जब-जब भी भारत की एकता खंडित हुई है तब-तब विदेशी आक्रांताओं का हमें सामना करना पड़ा था। फिर भी कुछ स्वतंत्रता सेनानियों को आज आदर्श के साथ याद किया जाता है जैसे महाराजा वाडियार, शिवाजी महाराज, महाराणा प्रताप, सुभाष चंद्र बोस, शहीद भगत सिंह आदि का आदर्श और बलिदान हमारे सामने रहना चाहिए।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि देवनहल्ली से आए मनुज सिद्धार्थ गुरु थे। आयोजन समिति के अनंत राम ने धन्यवाद दिया। कार्यक्रम का संचालन स्वास्तिक कन्नड़ी ने किया। कार्यक्रम में वंदे मातरम गीत, विनायक स्तोत्र पाठ का पाठ हुआ। आयोजन समिति के प्रमुख गणेश ने स्वागत भाषण दिया।

पाकिस्तान में पोलियो टीम पर हमले में पुलिसकर्मी की मौत

पेशावर/भाषा। उत्तर-पश्चिमी पाकिस्तान के अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में अज्ञात बंदूकधारियों ने पोलियो टीकाकरण टीम को निशाना बनाते हुए गोलीबारी की जिसमें टीम की सुरक्षा में तैनात एक पुलिसकर्मी की मौत हो गई। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी।यह घटना सोमवार को अफगानिस्तान की सीमा से लगे उत्तरी वजीरिस्तान जिले की मीर अली तहसील में हुई। हमले के बाद हमलावर मौके से फरार हो गए।

पुलिस ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही पुलिस दल घटनास्थल पर पहुंचा और पूरे इलाके की घेराबंदी की।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com/**RNI No. 58061/93.**